दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 14 जयपुर, शनिवार, 23 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- एकादशी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

कॉमर्शियल LPG सिलेंडर हुआ 39.50 सस्ता

दिल्ली/जयपुर। कॉमर्शियल एलपीजी के 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में प्रति सिलेंडर 39.50 रुपए की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद 19 किलो के कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1757 रुपए होगी। जयपुर में अब 1780 रुपए में मिलेगा। बीती 1 दिसंबर को ही कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 21 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। अब रेट कम होने से सरकार के इस कदम से रेस्तरां और होटल इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलेगी।

'BJP की महिला सुरक्षा के प्रति संवेदनहीनता'

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक के संन्यास की घोषणा के बाद शुक्रवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि इस प्रकरण ने महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा की असंवेदनशीलता को उजागर किया है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि पहले पदक लाकर देश का नाम ऊंचा करने वाली बेटी साक्षी मलिक का संन्यास लेना और अब बजरंग पूनिया का पद्मश्री लौटाना पहलवान बेटियों के इंसाफ की लड़ाई में भाजपा की नीयत पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

सूर्य के रहस्यों से उठेंगे पर्दे: सात अलग-अलग कैमरों से पांच साल तक सूर्य की स्टडी करेगा यान

6 जनवरी को L1 पॉइंट पर पहुंचेगा सौर मिशन आदित्य L1

एजेंसी | अहमदाबाद

भारत का पहला सौर मिशन 'आदित्य एल1' छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान 'लैग्रेंजियन पॉइंट' (एल1) पर पहुंचेगा, जो पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है।

इस मिशन को इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से प्रक्षेपित किया था। यह अंतरिक्ष-आधारित पहली भारतीय वेधशाला है जिसके तहत 'हेलो ऑर्बिट एल1' से सूर्य का अध्ययन किया जाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) विज्ञान भारती द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा कि आदित्य L1 छह जनवरी को एल1 बिंदु में प्रवेश करेगा। उचित समय पर सटीक समय की घोषणा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जब यह एल1 बिंदु पर पहुंचेगा, तो हमें इंजन को एक बार फिर से चालू करना होगा ताकि यह आगे न बढ़े। यह उस बिंदु तक जाएगा और एक बार जब यह उस बिंदु पर पहुंच जाएगा तो यह इसके चारों ओर घूमने लगेगा और एल1 पर फंस जाएगा।

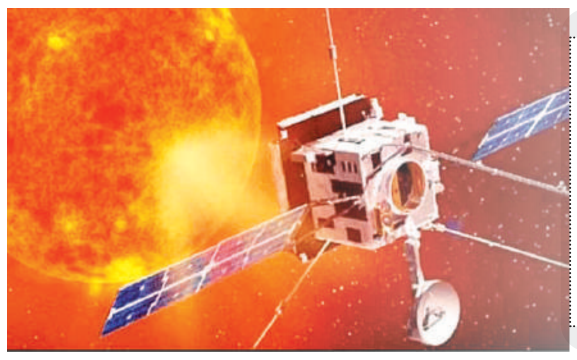

विभिन्न घटनाओं का लगाएगा पता

इसरो प्रमुख ने कहा कि जब आदित्य L-1 अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा, तो यह अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं का पता लगाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य में तकनीकी रूप से एक शक्तिशाली देश बनने वाला है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुसार 'अमृत काल' के दौरान एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बनाई है, जिसे 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' कहा जाएगा।

क्या है इसका मकसद

इसका मकसद सूर्य के आसपास के वायुमंडल का अध्ययन करना है। यह क्रोमोस्फेरिक और कोरोनल हीटिंग की स्टडी करेगा। इसके साथ ही यह फ्लेयर्स पर रिसर्च करेगा। इसरो के मुताबिक, आदित्य L1 का उद्देश्य सूर्य पर जाकर वहां के वातावरण की स्टडी करना है। यह सूर्ययान वहां के ऑर्बिट पर न ही उतरेगा और न ही सूर्य के करीब जाकर स्टडी करेगा। आदित्य एल-1 में 7 अलग-अलग कैमरा लगाए गए हैं जो सूर्य के बारे में स्टडी करेगा और कई रहस्यों से पर्दा उठाएगा।

दो सितंबर को किया था लॉन्च

आदित्य एल1 मिशन दो सितंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। इस मिशन का उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है। साथ ही सूर्य से मिलने वाले प्रकाश और ऊर्जा समेत कई गतिशील परिवर्तन और विस्फोटक घटनाओं की जानकारी जुटाना है।

बेधड़क रिपोर्ट: नई सरकार की एक्सरसाइज

'मिशन-25' भजन सरकार का हंड्रेड डेज प्लानिंग पर फोकस

- दो सप्ताह में सभी विभागों को दिया 100 दिन की कार्य योजना बनाने का लक्ष्य
- घोषणा पत्र में शामिल बिंदुओं को चुनाव से पूर्व जनता के बीच ले जाना मुख्य उद्देश्य

हरीश भामणिया | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में नई सरकार आने के साथ ही प्रशासनिक गतिविधियां भी जोर पकड़ने लगी है। सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने सबसे पहले प्रदेश के सभी सरकारी महकमों को 100 दिन की कार्य योजना पर काम करने के निर्देश दिए। कई विभागों ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है।

हाल ही में नए विधायकों को शपथ दिलाने और स्पीकर के चयन के लिए दो दिन का सत्र आहूत किया गया। हालांकि अभी सरकार के मंत्रिमंडल का गठन होना बाकी है। बहरहाल, इन सबके बीच अब विधानसभा का अगला सत्र 19 जनवरी से शुरू होगा। ये सरकार का बजट सत्र रहेगा। बजट सत्र के इसी माहौल के बीच सरकार में मिशन-25 पर काम करना शुरू कर दिया है। अपने पहले प्रदर्शन को ज्यादा बेहतर बनाने को लेकर अपना विजन भी साफ किया है।

सरकार के सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के आला अफसरों के साथ बैठक लेकर अपना विजन साफ किया। विभागों को 100 दिन की कार्य योजना का लक्ष्य दिया गया। इसको लेकर विभाग इस काम में युद्ध स्तर पर जुट गए हैं। सूत्रों के अनुसार सरकार ने सभी विभागों को ये कार्य योजना बजट सत्र से पूर्व तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इससे बजट सत्र में सरकार पूरी तैयारी के साथ अपना प्रस्तुतिकरण दे सके।

10 से ज्यादा बड़े विभागों ने तैयार की कार्य योजना

बेधड़क पड़ताल में सामने आया कि सरकार के इस निर्देश के बाद प्रदेश के 10 से ज्यादा बड़े सरकारी महकमों ने कार्य योजना को लेकर अपना काम लगभग पूरा कर लिया है। हालांकि इन विभागों के मुखियाओं ने कार्य योजना पर अभी कुछ काम शेष बताया है जिसे अगले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। मुख्य विभागों में पुलिस-प्रशासन, जलदाय, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा और पंचायतीराज विभाग के अलावा प्रदेश की स्थानीय निकायों ने 100 दिन की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है।

सरकार का उद्देश्य: जनता के बीच पहुंचे विजन

अगले साल लोकसभा चुनाव भी है। सरकार की मंशा है कि आम चुनाव से पूर्व जनता के बीच उसका विजन बेहतर तरीके से पहुंचे। विधानसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद प्रदेश भाजपा उत्साह से लबरेज है और इसी उत्साह को आगे भी बरकरार रखना चाहती है। सरकार ने अपने घोषणा पत्र में जिन बिंदुओं को शामिल किया है, उनको पूरी तैयारी के साथ सदन में रखना चाह रही है और 100 दिन की कार्य योजना बनाने के पीछे यही उद्देश्य भी है।

केंद्र से प्रदेश को मिले 4396.64 करोड़

जयपुर। आगामी त्योहारों के सीजन और नववर्ष को मद्देनजर, केंद्र सरकार ने विभिन्न सामाजिक कल्याण उपायों और बुनियादी ढांचागत विकास योजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकारों की मदद के लिए 72,961.21 करोड़ रुपए की कर हस्तांतरण राशि की अतिरिक्त किस्त को भी स्वीकृति दी है। यह किस्त, 10 जनवरी 2024 को राज्यों को देय कर हस्तांतरण और 11 दिसंबर 2023 को पहले जारी की गई तथा 72,961.21 करोड़ रुपए की किस्त के अतिरिक्त है। इधर, राजस्थान को वित्त पोषण के लिए 4396.64 करोड़ मिले हैं।

नए प्रशासनिक मुखिया को लेकर कवायद जारी

प्रदेश की वर्तमान सीएस उषा शर्मा 31 दिसंबर को रिटायर हो रही हैं। प्रदेश में नए प्रशासनिक मुखिया को लेकर कवायद जारी है। अगले सप्ताह तक नया नाम सामने आएगा। नए सीएस सबसे पहले सरकार की मंशानुरुप विभागों की 100 दिन की कार्य योजना पर मुख्य फोकस करेंगे।

गहलोत सरकार के टेंडरों पर लगाई रोक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एक्शन मोड पर है। सरकार ने नए टेंडर और कामकाज पर रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। पूर्व के आदेशों में भी सबंधित मंत्री- सीएम की सहमति की शर्त लगा दी। इसको लेकर वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। पूर्व के आदेशों में भी सबंधित मंत्री और सीएम की सहमति के बाद ही कामकाज हो सकेंगे। इस संबंध में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा ने सभी विभागों के प्रमुखों को आदेश जारी किए है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिन कार्यों के टेंडर अभी जारी नहीं किए गए हैं। उन्हें आगामी निर्देशों तक आमंत्रित नहीं किया जाए। जिन कार्यों के टेंडर आमंत्रित करने के उपरांत कार्य आदेश नहीं दिए गए हैं। उनके कार्य आदेश आगामी निर्देश तक जारी नहीं किए जाए। जो कार्य कार्या आदेश के उपरांत प्रारंभ नहीं हुए हैं। उन्हें आगामी निर्देशों तक प्रांरभ नहीं किए जाए। कार्यादेश के स्थगित एवं लंबित रखा जाए।

कोविड प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय प्रबंधन समिति गठित

प्रदेश में कोराना से एक मौत, छह नए केस आए सामने

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के छह नए मामले सामने आए हैं, जबकि इस संक्रमण से एक मरीज की मौत हो गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण से दौसा में एक मरीज की मौत हो गई।

चिकित्सा महकमे ने कोविड प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय प्रबंधन समिति गठित की गई है। इसके तहत चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते को 'राज्य कोविड प्रबंधन समिति' का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह समिति कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राज्य में आवश्यक गतिविधियां करेगी।

प्रदेश में छह नए कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के मिलने से राज्य में अब इस संक्रमण के मरीजों की संख्या 10 पहुंच गई है। राज्य में मिले छह नए मरीजों में से जयपुर के तीन, अलवर, धौलपुर, जोधपुर के एक-एक मरीज शामिल हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज आएंगी जैसलमेर

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को जैसलमेर के दौरे पर आएंगी। राष्ट्रपति पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में सेना के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगी। कार्यक्रम में उनके आगमन पर

सेना और प्रशासन स्तर पर तैयारियां की जा रही है। राज्यपाल कलराज मिश्र राष्ट्रपति की अगवानी करने के लिए जैसलमेर पहुंचे चुके हैं। इनके अलावा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी शनिवार दोपहर तक जैसलमेर में

पहुंचेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू राजकीय विमान से शनिवार को एयरफोर्स स्टेशन में बनी हवाई पट्टी पर उतरेंगी और वहां से हेलिकॉप्टर से फायरिंग रेंज जाएंगी। वहां सेना के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वे जैसलमेर शहर स्थित शहीद पूनम सिंह स्टेडियम पहुंचेगी।

भाजपा के लिए प्रदेश की कानून व्यवस्था बड़ा मुद्दा

सीएम की पुलिस को दो टूक नसीहत... 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर हो काम

- प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सीएम ने ली पुलिस के आला अफसरों की अहम मीटिंग
- गश्त में बढ़ोतरी और गुंडागर्दी में कमी लाने के दिए निर्देश
- संगठित अपराध एवं पेपरलीक केस में करें ठोस कार्यवाही

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव-2023 में भाजपा के लिए प्रदेश की कानून व्यवस्था बड़ा मुद्दा रहा। अब यही मुद्दा भाजपा के सत्ता में आने के बाद उनके खिलाफ विपक्ष नहीं बनाए, इसको लेकर भजन सरकार ने सत्ता संभालने के साथ ही प्राथमिकता में रख लिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस अफसरों को दो टूक शब्दों में कहा कि अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर हो काम करना होगा। सरकार की प्राथमिकता महिला सुरक्षा है। इसलिए गश्त में बढ़ोतरी और गुंडागर्दी में कमी होना सुनिश्चित करें।

सीएम ने कहा कि अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के साथ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना, हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। सरकार का ध्येय अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास का प्रदेश में फिर से वातावरण बने। प्रदेश में सरकार की प्राथमिकता महिला सुरक्षा है, इसलिए गश्त में बढ़ोतरी और गुंडागर्दी में कमी होना सुनिश्चित करें।

सीएम भजनलाल ने कहा कि थानों में पीड़ित की हरहाल में सुनवाई और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए।

गैंग्स और गैंगस्टर को कुचलने पर हो काम

सीएम भजनलाल शर्मा ने मीटिंग में साफ कहा कि राज्य में संगठित अपराधों पर रोक लगे। इसके साथ ही गैंग्स और गैंगस्टर को कुचलने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ महकमे में सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार खत्म हो और भ्रष्टाचारियों को सहयोग करने वाले को भी ना बख्शा जाए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों से मुकाबले के लिए और अधिक आधुनिक संसाधनों में वृद्धि की जाएगी। मीटिंग में मुख्य सचिव ऊषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा,गृह सचिव आनंद कुमार सहित आईजी रेंज के अफसर मौजूद रहे।

पेपरलीक पीड़ितों को मिले न्याय

सीएम ने कहा कि पेपरलीक कर युवाओं एवं उनके परिवारों की आशाओं पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार के अपराधों से युवाओं को अमानवीय यातना सहनी पड़ी। उनका परिश्रम एवं पैसा व्यर्थ हुआ है। इन मामलों की जांच के लिए गठित एसआईटी प्रभावी कार्यवाही करते हुए सभी दोषियों को सजा दिलाएगी एवं पेपरलीक के पीड़ित युवाओं को न्याय देगी।

पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध: पुलिस महानिदेशक

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में पुलिस सभी प्रकार के अपराधों की रोकथाम कर आमजन को सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार ने कहा कि पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नकेल कसी जाएगी।

जरूरी खबर

विधायक ने सीएम से कराया पोस्टर विमोचन

बेधड़क,जयपुर। 25 दिसम्बर को तुलसी पूजन दिवस पर होने वाले आयोजन का पोस्टर विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर हवामहल विधायक बाल मुकुंदाचार्य ने बताया कि आगामी 25 दिसम्बर को सनातन धर्म तुलसी माता का पूजन करेगा। इस अवसर पर विधायक ने मुख्यमंत्री को तुलसी का पौधा भेंट किया।

आरयूबी निर्माण कार्य के चलते ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

बेधड़क, जयपुर। रेलवे की ओर से सीकर-नवलगढ़ रेलखंड के मध्य 31 दिसंबर को समपार फाटक संख्या 209 पर आरयूबी निर्माण कार्य के चलते ट्रेफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार इस कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस कार्य 04853, सीकर-लोहारू-सीकर 31 दिसंबर व 1 जनवरी से रद्द रहेगी। इसी तरह 04804, रेवाड़ी-सीकर रेलसेवा 31 दिसंबर नवलगढ़ तक ही संचालित होगी। उधर, 04703, बठिंडा-जयपुर रेलसेवा 31 दिसंबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सादुलपुर-चूरू-सीकर होकर संचालित होगी। 04706 जयपुर-श्रीगंगानगर रेलसेवा 31 दिसंबर को सीकर-चूरू-सादुलपुर होकर संचालित होगी।

भर्ती आवेदन विड्रॉ करने का अंतिम अवसर

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से खोज एवं उत्खनन अधिकारी तथा संग्रहाध्यक्ष भर्ती परीक्षा-2023 के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता अथवा अनुभव न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विड्रॉ करने का अवसर दिया गया है। ऐसे आवेदक 28 दिसंबर 2023 से 5 जनवरी 2024 तक अपना आवेदन विड्रॉ कर सकेंगे। 21 जुलाई 2023 को विज्ञापन जारी कर उक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आयोग सचिव ने बताया कि निर्धारित दिनांक के बाद विज्ञापन में वांछित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं पुरातत्व के क्षेत्र में कम से कम एक सत्र का अनुभव नहीं होने पर अभ्यर्थियों के विरूद्ध आईपीसी की धारा 182 के तहत कार्यवाही होगी।

विपक्षी सांसदों के निलंबन के मामले को लेकर कांग्रेस मुखर, केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

केंद्र सरकार तानाशाह, यह अघोषित आपातकाल: डोटासरा

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा और राज्यसभा से विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश में भी सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया।

विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने लोकसभा और राज्यसभा से विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में केंद्र की सरकार पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में डोटासरा ने कहा कि यह अघोषित आपातकाल है। विपक्ष के 146 सांसदों को बाहर कर दिया। उसके बाद 18 कानून पारित कराए गए। किसी से चर्चा नहीं की। उसके बाद अनिश्चितकाल के लिए लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई। यह देश में क्या हो रहा है? यह तानाशाह सरकार नहीं तो और क्या है? यह अघोषित आपातकाल है। प्रतिपक्ष को दबाया जा रहा है, डराया जा रहा है। कुचलने की कोशिश की जा रही है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है।

अमावस्या के दिन सीएम की घोषणा

डोटासरा ने कहा- राजस्थान में क्या हो रहा है? आपने देखा होगा। 12 दिन बाद सीएम-डिप्टी सीएम की शपथ हुई। 13वें दिन कर लेते क्या बिगड़ जाता? अमावस्या के दिन मुख्यमंत्री का नाम घोषित हुआ, अब क्या मलमास में कैबिनेट होगा। होगा या नहीं होगा। कैबिनेट नहीं बन रही तो कम से कम दोनों उपमुख्यमंत्रियों को तो विभाग बांट दीजिए। इससे ये तो अपना काम करने लग जाएं। दोनों मुख्यमंत्री को छोड़ ही नहीं रहे हैं। जहां भी जाएंगे, साथ जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेलवे स्टेशन, मंदिर जा रहे हैं। दिल्ली जा रहे हैं तो वहां भी दोनों डिप्टी सीएम साथ जा रहे हैं। जाएंगे क्यों नहीं, उनको विभाग ही नहीं दिया। दोनों को केवल नाम दे दिया उप मुख्यमंत्री, दिया कुछ नहीं। डोटासरा ने कहा- जब राजस्थान की जनता ने आपको सर आंखों पर बैठाकर पांच साल सरकार चलाने का समय दिया है। 20-25 दिन तो गुजर गए। अब तो धरातल के ऊपर काम करना चालू कीजिए। रोजाना सुन रहे हैं। 100 दिन की कार्य योजना बना रहे हैं।

कांग्रेस के झंडे उल्टे लगाए

विरोध प्रदर्शन के दौरान सभा स्थल के ठीक पीछे कांग्रेस पार्टी के झंडे लगाए गए थे। लेकिन ये उलटे टंगे थे। उलटे झंडों को लेकर किसी का ध्यान नही गया। मीडियाकर्मियों के फोटो लेने के दौरान मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं का ध्यान उधर गया तो आनन फानन में झंडे उतारे गए।

ओम बिरला और जगदीप धनखड़ पर हमला

डोटासरा ने सांसदों के निलंबन से जुड़े मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ पर हमला बोला है। कहा- राजस्थान के ये दोनों लाल आज शर्मसार कर रहे हैं। डोटासरा ने देश में आगे चुनाव होने पर ही सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि पता नहीं आगे चुनाव होंगे या नहीं। डोटासरा सांसदों के निलंबन के खिलाफ जयपुर में शहीद स्मारक पर कांग्रेस के धरने में बोल रहे थे। डोटासरा ने कहा- जब लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति राजस्थान से बने थे तो हमें गर्व हुआ था। राजस्थान के लोगों को लगा था कि हमारे यहां के हैं। हमें लगा था कि वे संसद में देश के लोगों की आवाज उठाने वालों के लिए भूमिका निभाएंगे, लेकिन आज हमें बड़ी तकलीफ हो रही है।

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की रिपोर्ट: जैसलमेर और जयपुर अव्वल

भू-जल का अत्यधिक दोहन बिगाड़ रहा है प्रदेश की तस्वीर

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जयपुर। जल है तो जीवन है! अक्सर यह कहावत हम सुनते आए हैं। मगर प्रदेश के लोगों के सामने यह कहावत बेमानी साबित हो रही है। पानी बचाने के प्रति प्रदेश की जनता कितनी संजीदा है यह आंकड़े गवाही दे रहे हैं। अगर ऐसे ही भू-जल दोहन होता रहा तो प्रदेश की तस्वीर पानी के मामले में हमेशा के लिए लाल निशान के रूप में सीमांकित हो जाएगी।

दरअसल भू-जल को लेकर केंद्र के जल शक्ति मंत्रालय के अधीन केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की ओर से हर साल डायनेमिक वाटर रिसोर्स ऑफ इंडिया रिपोर्ट जारी की जाती है। साल 2023 की इस रिपोर्ट में राजस्थान को लेकर आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के पूर्व चलन के 33 जिलों में से 4 जिलें ही 100 प्रतिशत के अंदर है।

बाकी सभी जिले 100 प्रतिशत के अंक को पार कर गए हैं, सबसे ज्यादा जैसलमेर का भू-जल दोहन प्रतिशत 362.01 है। वहीं जयपुर जिले का भू-जल दोहन 225.93 प्रतिशत है। इस प्रकार प्रदेश का भू-जल दोहन औसत 148.77 प्रतिशत है। भू-जल बोर्ड की 302 एसेसमेंट यूनिटों में से 216 यूनिट अति दोहित श्रेणी में आ गई हैं।

वहीं भू-जल पुर्नभरण की बात करें तो प्रदेश का सालाना भू-जल पुर्नभरण 12.45 बीसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) है। मगर भू-जल दोहन के रूप में हम 16.74 बीसीएम पानी धरती से निकाल रहे हैं यानि 4 बीसीएम पानी अधिक निकाल रहे हैं। अगर प्रदेश में यूं हि भू-जल दोहन होता रहा प्रदेश वासी प्यास मिटाने के लिए पानी के लिए भटकने को मजबूर हो जाएंगें। प्रदेश में भविष्य के लिए 0.9 प्रतिशत बीसीएम पानी बचा है।

प्रदेश के चार जिलों का भू-जल दोहन प्रतिशत ठीक, बाकी सभी में संकट

ऐसी है एसेसमेंट यूनिट

- सुरक्षित क्षेत्र 38
- अर्द्ध संकटग्रस्त 22
- संकटग्रस्त 23
- अति दोहित 216
- खारापनग्रस्त 03

बारिश का पानी बचाने की जरूरत

प्रदेश में दिनों दिन नलकूपों के माध्यम से भू-जल दोहन हो रहा है। इसके चलते जमीन में भू-जल स्तर गड़बड़ाने लगा है। सिंचाई में भी किसान वर्ग की ओर से पानी का उपभोग ज्यादा हो रहा है। वहीं आमजन भी पानी बचाने के प्रति कम संजीदा है। प्रदेश के लोगों को भू-जल स्तर को सुधारने के लिए पानी के सही उपयोग के साथ भू-जल पुर्नभरण पर काम करने की जरूरत है। वहीं सरकार को भी भू-जल बढ़ाने के लिए जन जागरूकता के कार्यक्रम तेज करने की जरूरत है।

पुर्नभरण से काफी ज्यादा निकाल रहे हैं पानी

रिपोर्ट के अनुसार मानसून से 9.01 बीसीएम भू-जल पुर्नभरण होता है। वहीं अन्य अन्य स्रोतों से 0.64 बीसीएम पुर्नभरण होता है। इस प्रकार सालभर में 12.45 बीसीएम भू-जल पुर्नभरण हो पाता है। इसमें से हम 11.25 बीसीएम पानी ही हम खपत कर सकते हैं। मगर अंधाधुंध 16.74 बीसीएम पानी हम निकाल रहे हैं।

इन जिलों में सबसे ज्यादा भू-जल दोहन

- जैसलमेर 362.01
- जोधपुर 256.74
- दौसा 233.22
- जयपुर 225.93
- झुंझुनूं 216.66

यहां सबसे कम

- गंगानगर 39.53
- डूंगरपुर 59.85
- हनुमानगढ़ 61.08
- बांसवाड़ा 67.23

सभी आंकड़े बीसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) में

यह है भू-जल उपभोग का भाग

- सिंचाई 14.3 बीसीएम
- घरेलू 2.31 बीसीएम
- उद्योग-0.13 बीसीएम

विकसित भारत संकल्प यात्रा समारोह

9 वर्षों में देश ने तरक्की के नए आयाम किए स्थापित

बेधड़क | जयपुर

विगत नौ वर्षों की विकास यात्रा से देश ने तरक्की के नए आयाम स्थापित किए हैं। देश में आधारभूत संरचना का तेजी से सुदृढ़ीकरण और विस्तार हुआ है और व्यापार सुगम हुआ है। तकनीक के नए युग का सूत्रपात हुआ है तथा भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा है।

यह कहना है प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का। दीया कुमारी शुक्रवार को विद्याधर नगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण है कि हम सभी साथ मिलकर इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से विकसित भारत के पथ पर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प अवश्य साकार होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ राज्य में शुरू हुई भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी 2024 तक राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों में जाएगी। देश का प्रत्येक नागरिक को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त, समर्थ व समृद्ध बनाना इस यात्रा का मूल उद्देश्य है। दीया कुमारी ने आगे कहा कि यह यात्रा जन-जन को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभों से अवगत करा रही है।

आमजन को मिले योजनाओं का लाभ: महापौर

इस अवसर पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मिले। उन्होंने कहा कि विगत 18 दिसंबर को सांगानेर स्टेडियम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा (शहरी) का शुभारंभ किया गया था। इस यात्रा के तहत सभी जोनों में कैम्प लगाए जाएंगे। अब तक लगभग सांगानेर जोन में 8 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें कुल 3 हजार 5 सौ से अधिक लोग लाभान्वित किये जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय के पास 30 लाख रुपए जमा

शुल्क उपयोग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय में हजारो विद्यार्थियों से प्रवेश के दौरान छात्र संघ चुनाव को लेकर भी शुल्क वसूला गया था, लेकिन इस बार छात्र संघ चुनावों पर सरकार ने रोक लगा दी थी।

ऐसे में यूनिवर्सिटी द्वारावसूला गया करीब 30 लाख का शुल्क का उपयोग नहीं हो पाया। ऐसे में शुक्रवार को छात्र नेताओं ने कुलपति अल्पना कटेजा को ज्ञापन सौंप शुल्क को स्टूडेंट्स को वापस देने की मांग रखी। वहीं छात्र नेताओं ने मांग रखी किशुल्क नहीं लौटाने की दशा में राजस्थान यूनिवर्सिटी के कैंपस में चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए शुल्क का उपयोग किया जाए। छात्र नेता विनोद भूदोली ने बताया कि इसबार का शैक्षणिक सत्र आधा बीत चुकाहै लेकिन अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शुल्क का कोई उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कुलपति ने जल्द से जल्द शुल्क को शैक्षणिक कार्य में लगाने का आश्वासन दिया है। इस दौरान छात्र नेता विनोद भूदोली, कमल चौधरी सहित अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का देंगे संदेश

एबीवीपी 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाएगी

बेधड़क | जयपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री अभिनव सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि इस परिवर्तनकारी समय में देश के विद्यार्थी अपनी भूमिका सकारात्मक ढंग से निभाने के लिए तैयार हैं।

विद्यार्थी परिषद सकारात्मक प्रयोग द्वारा देश के युवाओं के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प पर काम करेगी, जिससे राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सपना पूरा हो सके। युवा हर प्रकार से स्वस्थ हो सकें। विद्यार्थी परिषद ने वर्तमान में देश के शिक्षा, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश के विद्यार्थियों की सहभागिता का आह्वान किया है। अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर विद्यार्थी परिषद ने प्रांत स्तर से तय कर सभी जिले की नगर इकाई तक के विद्यार्थियों से दीपोत्सव मनाने का आह्वान किया है। यह अवसर युवा पीढ़ी को श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश देने वाला है। विद्यार्थी परिषद ने श्रीराम मंदिर निर्माण पर अपनी राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में प्रस्ताव भी पारित किया है। सिंह ने कहा कि राजस्थान सरकार को शीघ्रता से प्रयास करने की आवश्यकता है। ये रिक्तियां मिशन मोड पर भरी जानी चाहिए। बीते वर्षों में प्रदेश में रोजगार तथा शिक्षा के मुद्दों को लेकर विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में बड़े आंदोलन हुए हैं। बैठक के दौरान राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य भारत भूषण यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिव्या शर्मा, प्रांत सहमंत्री रघुनाथ बिश्नोई, महानगर मंत्री ट्विंकल शर्मा मौजूद रहे।

फतेहपुर में मिनिमम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस

बादल छाए रहने से कुछ जिलों में गलन से राहत, जयपुर में पारा 9.3 डिग्री

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शुक्रवार को मौसम में बदलाव देखने को मिले। प्रदेश के अधिकतर जिलों में सुबह से ही हल्के बादल छाए रहे। जिससे इन क्षेत्रों में तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिली। शुक्रवार को राजधानी जयपुर का न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो गुरुवार के मुकाबले बराबर ही रहा।

इधर, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, पाली में सुबह से हल्के बादल छाए रहे जिससे लोगों को गलन भरी सर्दी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ जिलों में शुक्रवार को हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। राज्य में शुक्रवार को ठिठुरन भरी सर्दी से थोड़ी राहत रही। बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर समेत कई शहरों में मिनिमम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। बीकानेर में गुरुवार जो तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस पर था। वो बढ़कर 10 पर आ गया। यही स्थिति जैसलमेर में रही।

इस कारण चढ़ा पारा

बाड़मेर में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के रुकने और अरब सागर से गुजरात तक बनी ट्रफ लाइन के कारण बादलों के समूह के आने से मौसम में ये बदलाव देखने को मिला है।

माउंट आबू में सबसे कम तापमान

राज्य में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सबसे कम माउंट आबू में दर्ज हुआ है। यहां तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर के फतेहपुर में भी मिनिमम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। इधर चूरू में लगातार चौथे दिन तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। चूरू के साथ गंगानगर, जयपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर में भी न्यूनतम तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव रहा।

स्कूलों में शीतकालीन अवकाश कल से

सर्दी को देखते हुए प्रदेश की स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 24 दिसंबर से शुरू होगा। शिक्षा विभाग ने स्कूलों की छुट्टी की घोषणा कर दी है। स्कूलों में छुट्टी की सूचना के बाद से स्कूली छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) ने राज्य के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश शुरू करने की घोषणा की है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आधार पर राजस्थान की स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियां 24 दिसंबर से शुरू होगी। यह छुट्टियां 5 जनवरी 2024 तक रहेगी। यानि की 13 दिन तक स्कूलों में अवकाश रहेगा। शीतकालीन अवकाश सरकारी स्कूलों के साथ-साथ निजी स्कूलों में रहेगा। हर वर्ष राजस्थान के स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियां रखी जाती है। इस बार भी राजस्थान शिक्षा विभाग के सुविधा पंचांग के आधार पर शीतकालीन की 13 दिन की छुट्टियां हैं। इस शीतकालीन अवकाश का लुफ्त विद्यार्थियों के साथ अध्यापक भी उठा सकेंगे। इसके साथ ही एसएससी परीक्षा केंद्र वाले स्कूलों में भी छुट्टी रहेगी।

जरूरी खबर

5 अवैध कॉलोनियां तोड़कर 40बीघा भूमि मुक्त कराई

जयपुर। जेडीए ने जोन-10ए ईकोलोजिकल जोन में निजी खातेदारी की करीब 35 बीघा कृषि भूमि पर तीन और जोन-11 में पांच बीघा कृषि भूमि पर बन रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-10ए के ईकोलोजिकल जोन में विजयपुरा रिंग रोड के पास करीब 30 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर कौशल्या नगर के नाम से बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। वहीं जोन-10ए के ग्राम जामड़ोली में करीब तीन बीघा और इसी के पास दो बीघा कृषि भूमि पर भी अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही थी, उनको भी प्रवर्तन दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। इसी प्रकार जोन-11 के महापुरा में तीन बीघा कृषि भूमि पर श्री गोविंदविहार के नाम से रातों-रात बनाई गई अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया।

कटौती के बावजूद RGHS में नहीं मिल रहा इलाज

जयपुर। राज्य कर्मचारियों के वेतन से लगभग हर माह 700-800 रुपए आरजीएचएस के खाते में काटे जा रहे हैं। इस कटौती के बावजूद राज्य कर्मचारी एवं उनके परिजनों को इलाज और दवाइयों के लिए भटकना पड़ रहा है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आरजीएचएस की सुविधा नहीं मिलने के कारण विवश होकर कर्मचारी एवं उनके परिजनों को अस्पतालों में नगद राशि देकर इलाज करवाना पड़ रहा है। इस कारण कर्मचारी एवं उनके वृद्ध परिजन को परेशानी का सामान करना पड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की परेशानी को लेकर मुख्य सचिव से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा।

डीजी सम्मेलन से पहले संवरेगा जयपुर, सड़कों से 24 घंटे कचरा उठाने के निर्देश

अतिथियों को सुंदर दिखे सिटी, इसलिए परकोटे में रात को सफाई

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में पांच और छह जनवरी को पुलिस महानिदेशकों का सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें शामिल होने वाले अतिथियों को शहर सुंदर दिखे इसके लिए सीएम ने जयपुर को साफ रखने के निर्देश दिए हैं। इसकी पालना में परकोटे में रात में सफाई शुरू कर दी गई है। साथ ही सड़कों से 24 घंटे घचरा उठाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हेरिटेज आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस संबंध में निगम अधिकारियों की तत्काल बैठक बुलाई और सभी शाखाओं को टास्क देकर युद्ध स्तर पर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर को बदरंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई और शहर के प्रवेश मार्गों पर रंग-रोगन के निर्देश दिए।

देखरेख के लिए बनाया नोडल ऑफिसर

इस संबंध में आयुक्त शेखावत ने निगम की सभी शाखाओं के अधिकारियों को शहर के विभिन्न मार्गों के डिवाइडर्स की मरम्मत, रंग-रोगन, प्रवेश द्वारों का सौन्दर्यीकरण, दीवारों की मरम्मत, सड़कों के पेचवर्क करवाने, जहां जरूरत हो वहां स्ट्रीट लाइट लगवाने, गमले ठीक करवाने, चौराहों पर लगी मूर्तियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क से कचरा उठाने के लिए अतिरिक्त हूपर लगा कर क्यूआरटी की तरह 24 घन्टे कचरा उठाने के निर्देश भी दिए हैं। शेखावत ने इन सभी व्यवस्थाओं की प्रभावी देखरेख के लिए अतिरिक्त आयुक्त मुख्यालय करतार सिंह को नोडल बनाया है।

अतिथि देवो भवः की परंपरा पर सजावट

आयुक्त शेखावत ने बताया कि इस सममेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आने का भी प्रस्तावित दौरा है। ऐसे में मुख्यमंत्री के निर्देश है कि इस आयोजन में आने वाले अतिथियों के स्वागत के लिए शहर को साफ और सुंदर बनाना है। इसके लिए पूरी निगम की टीम जुट गई है। वे खुद फील्ड में जाकर सफाई कार्यों का निरीक्षण करेंगे।

नाइट में सफाई के लिए 45 कर्मचारी लगाए

आयुक्त शेखावत ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश पर निगमकर्मियों से सफाई अभियान को तेज करने को कहा है। परकोटे में दिन में भीड़ को देखते हुए रात में सफाई व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरणों में 45 सफाई कर्मचारियों के जरिए बड़ी चौपड़, चांदपोल बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार और किशनपोल बाजार को शामिल किया गया है। इसमें दो रोड क्लीनिंग मशीन, 18 हूपर, एक यूनिट जिसमें 1 जेसीबी, 1 डंपर और 1 ट्रैक्टर लगाए गए हैं, जो रोज रात को सफाई कर रहे हैं।

बिना नियमन 50 बीघा में बसा रहे जोन-13ए कानोता इलाके में कॉलोनी

3 माह पहले कॉलोनी तोड़ी, अब फिर बन रही, JDA ने आंखें मूंदी

■ बार-बार शिकायतें करने के बाद भी प्रवर्तन शाखा और जेडीसी की कॉलोनी पर मेहरबानी का आरोप

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अफसरों की निगरानी में शहर में अवैध कॉलोनियों बसाई जा रही है। खास बात है कि जेडीए के जिम्मेदार अधिकारी अवैध कॉलोनी बसाई जाने की शिकायत पर पहले तो मौके पर पहुंचकर कॉलोनी को ध्वस्त करके वाहवाही लूटते हैं और फिर कार्रवाई के कुछ माह बाद जेडीए के अधिकारी ही कॉलोनाइजरों को अवैध कॉलोनी बसाने की मौखिक स्वीकृति दे देते हैं। अब सवाल है कि आखिर जेडीए के अधिकारी जब कॉलोनी में फिर से काम शुरू हो जाता है और शिकायतें मिलने के बाद भी क्यों नहीं कार्रवाई करते हैं? इसमें अफसरों की मिलीभगत होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे में जेडीए के अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

आरोप है कि जेडीए के जिम्मेदार अधिकारी मोटी घूस लेकर अवैध कॉलोनियों के बसावट में सहयोग करते हैं। हाल ही में एक मामला जोन-13 में सामने आया है। कानोता इलाके में महावीर नगर के नाम से बिना नियमन के 50 बीघा में कॉलोनी बसाई जा रही है। जेडीए के अफसरों का अवैध कॉलोनी बसाने की कई शिकायतें मिल चुकी है, लेकिन अफसरों ने कार्रवाई के नाम पर आंखें मूंद ली है।

28 अगस्त को कार्रवाई, अब नजरअंदाज

पड़ताल में सामने आया कि जेडीए ने जोन-13 कानोता में अवैध रूप से बिना नियमन के बसाई जा रही महावीर नगर कॉलोनी की शिकायत पर 28 अगस्त को कार्रवाई की थी। तब जेडीए का भारी संख्या में जाप्ता व कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। जेडीए के अफसरों ने पूरी कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन तीन माह बाद ही कॉलोनी में फिर से काम शुरू हो गया। कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी में सड़क निर्माण किए जा रहे हैं और भूखंडों का सीमांकन करके बेचान किया जा रहा है। कॉलोनी में कॉलोनाइजर द्वारा 24 घंटे काम चलाया जा रहा है, ताकि बसावट होने के बाद जेडीए के अफसर कार्रवाई नहीं कर सके।

“ जेडीए द्वारा अवैध निर्माण व अवैध कॉलोनियों के बसाने की शिकायत पर लगातार कार्रवाई की जाती है। जेडीए ने कानोता में कॉलोनी में पहले कार्रवाई की थी और फिर से बसाई जा रही है तो जेडीए के अधिकारियों को भेजकर कार्रवाई की जाएगी।

धर्मेंद्र यादव, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी, जेडीए

(शिकायत मिलने के तीन बाद भी जेडीए के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी धर्मेंद्र यादव ने प्रकरण में संज्ञान नहीं लिया)

यह है जिम्मेदार अधिकारी जेडीए के

अवैध कॉलोनी की शिकायत पर जेडीसी जोगाराम को प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों को निर्देश देकर कार्रवाई करनी थी, लेकिन अभी तक प्रवर्तन शाखा को निर्देश नहीं दिए हैं। जबकि, प्रवर्तन शाखा के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी धर्मेंद्र यादव को शिकायत मिलने के बाद भी कार्रवाई नहीं की है। अवैध कॉलोनी की बसावट को रोकने की जिम्मेदारी उप प्रवर्तन अधिकारी जितेन्द्र सिंह और ईओ सुरेन्द्र सैनी की भी थी, लेकिन दोनों अधिकारियों ने कार्रवाई करना उचित नहीं समझा है। ऐसे में अधिकारियों की मिलीभगत होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

MU में बिना मान्यता के चला रहे कोर्स

नौकरी का फार्म भरा तो पता चला डिग्री फर्जी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में फर्जी डिग्रियां को लेकर मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब नामचीन मणिपाल यूनिवर्सिटी में बिना अनुमति के अवैध डिग्री कोर्स संचालित करने का मामला सामने आया है। मामला यूनिवर्सिटी के जयपुर कैंपस का है।

इस पूरे फर्जीवाड़े के खेल का खुलासा तब हुआ जब यहां से पास आउट एक स्टूडेंट ने दुबई में नौकरी के लिए आवेदन किया और दस्तावेज सत्यापन के दौरान शिक्षा विभाग ने उसकी डिग्री को अमान्य बता दिया। युनिवर्सिटी के जयपुर कैंपस में 2013 से बैचलर ऑफ डिजाइन 4 वर्षीय डिग्री कोर्स चल रहा है, लेकिन यूनिवर्सिटी के पास इसकी मान्यता ही नहीं है।

ऐसे में इतने सालों में मणिपाल यूनिवर्सिटी द्वारा बिना मान्यता के सैकड़ों फर्जी डिग्री बाटने का अंदेशा सामने आ रहा है। पीड़ित अजय सिंह खंगारोत नाम के छात्र ने बैचलर ऑफ डिजाइन 4 वर्षीय डिग्री कोर्स में 2014 में दाखिला लिया। चार साल तक लाखों रुपए फीस भरने के बाद अजय सिंह को मणिपाल ने डिग्री भी दे दी। दस्तावेज सत्यापन के लिए मणिपाल की डिग्री की उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जांच करवाई गई। विभाग ने विश्वविद्यालय द्वारा बिना अनुमति कोर्स संचालित होना बताया और डिग्री को भी फर्जी बताया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पूरे मामले को दबाने की कोशिश की ओर पीड़ित स्टूडेंट पर ही एफआईआर करवाने की धमकी दी। फर्जीवाड़े के इस खेल की शिकायत लेकर अजय सिंह ने कई बार उच्च शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को अवगत कराया। मामले में उच्च शिक्षा विभाग ने 2 बार मणिपाल यूनिवर्सिटी को पत्र जारी कर बिना अनुमति कोर्स चलाने का स्पष्टीकरण मांगा, दोनों ही पत्रों का जवाब नहीं दिया। बड़ी लापरवाही यह है कि फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद भी मणिपाल यूनिवर्सिटी में ये कोर्स अभी भी संचालित है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

हिल व्यू एन्क्लेव सोसाइटी का मामला, JDA नहीं ले रहा सुध

पार्क भूमि पर भूमाफिया कर रहे कब्जा

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के खो नागोरियन स्थित हिल व्यू एन्क्लेव सोसाइटी में पार्क की जमीन पर भूमाफिया अतिक्रमण कर रहे हैं। हालांकि, भूमाफियाओं के अतिक्रमण करने पर कॉलोनीवासियों ने इसकी शिकायत जेडीए को भी दी, लेकिन विभाग ने इस पर कोई एक्शन नहीं लिया है।

ऐसे में बेखौफ भूमाफिया दिन-रात धड़ल्ले से पार्क की जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि खो नागोरियन इलाका ईकोलॉजिकल जोन में आता है। इस जोन में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद किसी भी तरह का निर्माण करने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद सोसाइटी में स्थित पार्क की जमीन पर पिछले कई दिन से अतिक्रमण कर निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में जेडीए के प्रवर्तन शाखा को भी शिकायत दी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं भूमाफिया कॉलोनीवासियों को डरा-धमका रहा है।

“ मामले के बारे में जानकारी लेता हूं। जमीन पर कब्जा हो रहा है तो जल्द कार्रवाई करेंगे।

धर्मेंद्र कुमार यादव, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी, जेडीए

सीएम के निर्देश के बाद एक्शन में पुलिस

अभियान चलाकर दबोचे 400 बदमाश

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश के बाद पुलिस आयुक्तालय ने शुक्रवार सुबह 5 बजे दबिश देकर 400 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की ओर से दहशतगर्दी और आपराधिक गतिविधियों में एक्टिव बदमाशों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान में कुल 108 अपराधी पूछताछ के लिए थाने लेकर आए। इनमें से 76 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ के बताया कि दहशतगर्दी एवं आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ आयुक्तालय पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तारी और तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान चैन, पर्स एवं मोबाइल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों के ठिकानों और घरों पर दबिश दी गई। ऐसे में कुल 400 चैन, पर्स एवं मोबाइल स्नैचिंग के चालान शुदा अपराधियों के ठिकानों पर तलाशी ली गई। अभियान में कुल 108 अपराधी पूछताछ के लिए थाने पर लाए गए, जिनमें से 76 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें आबकारी अधिनियम में 3, धारा 151 सीआरपीसी में 70, स्थाई / गिरफ्तारी वारंटों में 1 एवं पूर्व के प्रकरणों में 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जोसेफ ने बताया कि जयपुर शहर में ऐसे अपराधी जो अवैध मादक पदार्थ गांजा, स्मैक, अफीम, भांग आदि मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। हथियारों के साथ वारदात करते हैं।

नई सरकार बनने के बाद खुल सकते हैं तबादले

बिना 'श्रीफल' नहीं होती तबादलों की डिजायर, इस पर लगाएं लगाम

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के पिछले सीएम अशोक गहलोत ने शिक्षकों के समारोह में पूछा था कि सुना है तबादले के लिए आपको पैसे देने पड़ते हैं? जवाब में हजारों शिक्षकों ने हाथ उठाकर हामी भरते हुए इस बात पर मुहर लगाई थी।

नई सरकार बनने के बाद शिक्षा विभाग के 'तबादला उद्योग' में भ्रष्टाचार का पर्याय बना 'डिजायर का जिन्न' फिर बाहर आ गया हैं। शिक्षक संगठन अखिल राजस्थान विद्यालय शिक्षक संघ (अरस्तु) ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर तबादलों में विधायक डिजायर की संस्कृति व तबादला उद्योग पर लगाम लगाने की मांग की हैं। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामकृष्ण अग्रवाल ने ज्ञापन में कहा है कि विगत सरकार के तथाकथित जनप्रतिनिधियों ने डिजायर के नाम पर खूब चांदी कूटी।

तबादला उद्योग में भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा था। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि बिना 'श्रीफल' लिए तबादला नहीं करवाते हैं। तबादलों की खुली छूट सरकार जनप्रतिनिधियों को ना दें। ना ही डिजायर संस्कृति पनपने दें। अगर तबादलों में डिजायर को महत्व दिया जाता है तो 'भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति' की भ्रूण हत्या होना सुनिश्चित है। उन्होंने नव गठित भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का स्वागत किया गया।

गहलोत ने कही थी पॉलिसी की बात, आगे बढ़ी नहीं

राजस्थान में शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई नीति बनाने का ऐलान किया था। इस बात का ऐलान उन्होंने जयपुर में शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान किया था। दरअसल शिक्षकों को संबोधित करने के दौरान सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि कई बार हमने सुना है कि ट्रांसफर के लिए पैसे देने पड़ते हैं? उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि ये सही बात है या नहीं। इस पर वहां मौजूद शिक्षकों ने 'हां' कहा था। इस पर गहलोत ने कहा कि दुख की बात है कि शिक्षक को पैसे देकर ट्रांसफर करवाना पड़ता है। मैं समझता हूं कि कोई ऐसी पॉलिसी बन जाए, ताकि आपको पता हो कि आपका ट्रांसफर होगा तो 2 साल लगेंगे ही लगेंगे। मुझे तीन साल लगेंगे, मुझे चार साल लगेंगे। सबको मालूम रहे कि न पैसे चलेंगे और न विधायक को आप तंग करेंगे। लेकिन, इस पर आगे कुछ हुआ नहीं और यह बात बस बात ही रह गई।

5 साल बाद फिर जगी तृतीय श्रेणी शिक्षकों की उम्मीद

प्रदेश में नवनिर्वाचित भाजपा की सरकार गठन के बाद कई संगठनों को अपनी मांगों को लेकर उम्मीद जगी है। पिछले 5 सालों से तबादले का इंतजार कर रहे तृतीय श्रेणी के शिक्षकों की एक बार उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि पिछली कांग्रेस सरकार में हर वर्ग और विभाग में तबादले किए गए, लेकिन करीब ढाई लाख तृतीय श्रेणी के शिक्षकों के तबादले नहीं किए गए। गौरतलब है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2021 में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों के लिए 85 हजार आवेदन लिए गए थे। नई नीति का हवाला देकर तबादलों को फिर टाल दिया गया। ऐसे में अब भाजपा सरकार के गठन के बाद अब लाखों शिक्षकों में तबादलों को लेकर उम्मीद जगी है। शिक्षक संगठनों के अनुसार सरकार के मंत्रिमंडल के गठन के बाद लोकसभा चुनावों से पहले ही तबादले करने की मांग करेंगे। तबादले की मांग को लेकर पिछली सरकार में राजस्थान एकीकृत शिक्षक महासंघ सहित कई संगठनों ने दर्जनों बार आंदोलन भी किए गए थे।

“ पूर्ववर्ती सरकार के सामने भी तबादलों को लेकर काफी बार आंदोलन किए, लेकिन सरकार के मुखिया और शिक्षा मंत्री केवल तबादलों के नाम पर जुमला देते रहे। अब नव गठित सरकार से उम्मीद है जल्द मामले को संज्ञान में लेगी, वर्ना संगठन लोकसभा चुनावों से पहले आंदोलन करने सड़कों पर उतरेगा।

हरपाल दादरवाल, प्रदेशाध्यक्ष, राज. शिक्षक महासंघ

“ 2018 के बाद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण एक बार भी नहीं हुए, जबकि व्याख्याता और वरिष्ठ अध्यापकों के स्थानांतरण हर वर्ष किए गए हैं। बीजेपी सरकार ने ही अपने कार्यकाल में ट्रांसफर किए थे, कांग्रेस ने एक बार भी नहीं किए। इसको लेकर शिक्षकों में भरी नाराजगी थी, जिसका खमियाजा सरकार को भुगतना पड़ा। अब नई सरकार से आशा है।

सुनील महला, प्रदेश संयोजक, तृ. श्रे. शि. संघर्ष समिति

जरूरी खबर

पिकअप लूटने वाले तीनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। निकुम्भ थाना पुलिस ने प्याज व लहसुन लूट मामले का शुक्रवार को खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यत ने बताया कि बीते 14 दिसंबर को उदयपुर जिले के रुंडेडा वल्लभनगर निवासी पूनम चंद पिकअप में नीमच से प्याज और लहसुन भरकर आ रहे थे। वहीं, रास्ते में भैरुघाटी रोड पर मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने पिकअप को रुकवाया और पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घर में युवती से रेप की कोशिश आरोपी फरार

अजमेर। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में युवती से रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता ने युवक पर घर में घुसकर बलात्कार की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए आदर्श नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। आदर्श नगर थाना पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय पीड़िता ने थाने में शिकायत दी है। रिपोर्ट में बताया कि शाम 7 बजे के करीब एक युवक आया और उसके कमरे में घुस गया और उसके साथ छेड़छाड़ कर बलात्कार की कोशिश करने लगा। जब वह चिल्लाई तो उसकी मां कमरे में आ गई। इस बीच पीड़िता का भाई वहां पर पहुंच गया और पीड़िता को छुड़वाया। इस दौरान आरोपी वहां से फरार हो गया।

कुएं में मिला 14 साल की नाबालिग छात्रा का शव

डूंगरपुर। रामसागड़ा थाना क्षेत्र के माडा गांव में एक 14 साल की छात्रा का शव कुएं में मिला है। रामसागड़ा थानाधिकारी मणिलाल ने बताया कि पाटडी निवासी गटू कोटेड की बेटी शिवानी कोटेड (14) माडा गांव में 9वीं कक्षा में पढ़ती है। गुरुवार को पेपर होने से वह परीक्षा देने गई थी, लेकिन शाम तक वापस घर नहीं आई। इस पर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। परिवार के लोग शुक्रवार को भी उसकी तलाश कर रहे थे। इस दौरान माडा गांव में खेतों के बीच कुएं में एक शव दिखाई दिया। लोगों की मदद से पुलिस ने कुएं से शव को बाहर निकाला। शनिवार को शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

शिल्पग्राम उत्सव: ज्योति के सुरों की रोशनी से रोशन हुई शिल्पग्राम की शाम

दमादम मस्त कलंदर... अली दा पहला नंबर

- ज्योति नूरां की रेशमी आवाज ने सूफी कलामों से बांधा समां
- कई कलामों में लगा मानों परवरदिगार खुद बैठा है ज्योति के गले में

बेधड़क | उदयपुर

शाम वो जो सुरमई हो जाए... सुर वो जो समां बांध दे.... समां वो कि कायनात करे इबादत... और इबादत वो जो सुरों से ज्योति नूरां करे और फिजां में पावन रंग भरे।

जी हां, हम बात कर रहे हैं पंजाब की सूफी कलामों की जादूगरनी ज्योति नूरां की। जो मेवाड़ में आईं और शिल्पग्राम में ऐसी छाईं कि मुक्ताकाशी मंच के तमाम सामयीन के तमन्ना उठी कि वे अपनी रेशमी और कशिश भरी आवाज में रातभर सूफी कलाम और गाने सुनाती रहें। मौका था पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे वृहद शिल्पग्राम उत्सव का। इसमें शुक्रवार की शाम शिल्पग्राम में ज्योति नूरां की गायकी हमेशा-हमेशा के लिए छाप छोड़ गई।

ज्योति ने सधे सुरों में क्लासिकल पुट और दिल तक उतरने वाली तानें छेड़ तरानों और सूफी कलामों में अपनी आवाज की ऐसी जादूगरी दिखाई कि हर कोई सम्मोहित सा हो गया। उन्होंने अलौकिक राही के कलाम मखमल सी है राहें पर काटे हैं पुरजोर, जोर जोर से चुभ जाएं तो ज़िक्र उठे है यार का... सुनाया तो हजारों सामयीन को लगा मानों ज्योति नूरां उनकी ही दास्तान बयां कर रही है। उन्होंने इरशाद कामिल का हिट गीत... हां मीठे पान दी गिल्लौरी, लट्ठा सूट दा लाहोरी... फट्टे मार दी बिल्लोरी, जुगनी मेल मेल के, कूद फांद के... सुनाया तो हर उम्र के लोग नाचने के साथ-साथ सुर में सुर मिलाने लगे। यहां जो मस्ती का मौसम शुरू हुआ तो रुका नहीं।

खुद भी स्टेज पर खूब झूमीं सिंगर...

ज्योति नूरां ने अव्वल तो जमकर सुरों को सजाया, उनमें जो लयकारी, तानें सजाईं वो हर संगीत प्रेमी के दिल तक उतर गईं। वहीं, हर हर्फ, है लफ्ज में जो सामयीन से कनेक्ट किया वह अनूठा था, इससे प्रोग्राम श्रोताओं का भी बन गया। अंत में जब ज्योति खुद स्टेज पर गाते हुए जमकर झूमीं तो सभी अपनी जगह पर खड़े होकर नाचने लगे।

ज्योति ने स्नेहा खानवलकर के गीत टुंग टुंग बजे, टना नंग टांग टना नाना ना... सुनाया तो समूचा माहौल मस्तीमय हो गया, लोग झूमने लगे, खासकर युवा और बच्चे तो दीवानों की मानिंद नाचने लगे। इसके साथ ही जलीस शेरवानी का कलाम, तेरे बिना... तेरे बिना दिल नइयो लगदा मेरा दिल नइयो लगदा... की तान जैसे ही ज्योति नूरां ने छेड़ी शायद ही कोई संगीत प्रेमी होगा, जिसने तालियां नहीं बजाई हो।

बॉलीवुड हिट होने की वजह से लोगों को यह सॉन्ग अपने दिल के आसपास का लगा। उनकी चियरिंग में भी यह अपनापन झलका। फिर तो मशहूर सिंगर ज्योति नूरां ने ऐसा कलाम गाया, जिस पर तो हिंदी, सिंधी, पंजाबी, उर्दू तक नहीं समझने वाले भी झूम उठे। यह कलाम था पुरनम इलाहाबादी का लिखा... हो लाल मेरी पट रखियो बल झूले लालन लाल मेरी पट रखियो बल झूले लालन सिन्धड़ी दा, सेहवन दा... सखी शाबाज कलंदर दमा दम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर दमा दम मस्त कलंदर...। इसके साथ ही ज्योति नूरां ने मेवाड़ के सुधी सामयीन को निराश नहीं किया और उनकी फरमाइशों पर भी कुछ तराने और सूफी गाने गाकर सबका हृदय झंकृत कर दिया। इनमें ख्वाजा मेरे ख्वाजा... दिल में समाजा, पिया रे... पिया रे, मोरनी बागां में बोले... और परदे में रहने दो ने धूम मचा दी। अंत में ज्योति नूरां को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता और ब्रिटिश सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री डेरोनेस संदीप वर्मा ने सम्मानित किया।

पश्चिम क्षेत्र का संस्कृति केंद्र उदयपुर-शिल्पग्राम उत्सव 30 तक

लोक झंकार में छाए लोक कलाकार... जीवंत हुई संस्कृति

- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विजन के तहत उम्दा प्रस्तुति

उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विजन के तहत आयोजित 'शिल्पग्राम उत्सव' में तब मुक्ताकाशी मंच पर अनूठा सांस्कृतिक संगम हुआ, जब राजस्थान से लेकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से मणिपुर के लोक कलाकारों को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने एक सूत्र में पिरोकर उनका ऐसे फ्यूजन को पेश किया कि हजारों कला प्रेमी झूम उठे।

कलाकारों और कोरियोग्राफर मैत्रेयी की सिद्धहस्तता का प्रमाण बने इस पेशकश ने तमाम सामयीन को ऐसा मंत्रमुग्ध किया कि वे अपलक हर प्रस्तुति को देखते और सराहते रहे। इस प्रस्तुति पर मुक्ताकाशी मंच हजारों लोगों के झूमने साक्षी बना।

एक लोक नृत्य देख लोग उसके जादू से निकले भी नहीं कि दूसरी फॉक डांस टीम का डांस शुरू हो गया। यह पेशकश के शानदार संयोजन का कमाल था कि लोग एक से एक उम्दा और बेहतरीन प्रस्तुति से सम्मोहित से हो गए और हर लोक नृत्य पर वंस मोर-वंस मोर की डिमांड करने लगे। लोक नृत्य निर्देशक मैत्रेयी पहाड़ी ने अपने अनुभव और लोग नृत्यों पर उम्दा पकड़ और उसे खूबसूरत तरीके से मंचित करने का तड़का देकर सुपर फॉक डांसर्स से सुपीरियर परफोरमेंस करवा हर लोक नृत्यों को उसकी टॉप की परफोरमेंस बनवा दिया।

बही लोक नृत्यों की अविरल धारा

इस सुपर लोक झंकार के दौरान राजस्थान के चरी को जहां सराहना मिली, वहीं मणिपुरी पुंग ढोल चोलम, छत्तीसगढ़ के ककसार और गोवा के देखनी लोक नृत्य को पहली बार देखने वाले दर्शक भी भाव विभोर हो गए। ओडिशा के गोटीपुआ और गुजरात के सिद्धि धमाल ने तो कमाल ही कर दिया, ऐसे करतब और एक्रोबेटिक प्रस्तुति दी कि दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा शिल्पग्राम गूंजा दिया। इसके साथ ही गुजरात के जेठवा, पश्चिम बंगाल के नटवा, महाराष्ट्र के सोंगी मुखोटा और झारखंड के पाइका, पश्चिम बंगाल के पुरलिया छाऊ, कर्नाटक के ढोलू कुनिथा जैसे लोक नृत्यों ने भी कला प्रेमियों का मन मोह लिया। तो, दमन के माची, गुजरात के राठवा, राजस्थानी कालबेलिया, पंजाब के भांगड़ा नृत्यों की धमाल मचा देने वाली प्रस्तुतियों में दर्शक झूमने लगे। इसके साथ ही जब लंगा गायन शुरू हुआ तो सामयीन वाह-वाह कर उठे। तमाम श्रोता लंगा वाद्यों कमायचा और सारंगी की धुनों पर थिरकते दिखाई दिए।

शिल्पग्राम उत्सव: मांडणा प्रतियोगिता में झलक रहीं प्रथम

यहां पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से 21 से 30 दिसंबर तक आयोजित किए जा रहे 'शिल्पग्राम उत्सव' में शुक्रवार को मांडणा कला प्रतियोगिता में कलाकारों ने अपनी उम्दा आर्ट का प्रदर्शन किया, वहीं इसमें बढ-चढ़कर भाग भी लिया। इस प्रतियोगिता में मांडणा कलाकारों ने दीवार पर चूने और प्राकृतिक रंगों से अनूठी रचनाएं की। उनकी कला ने ग्रामीण संस्कृति की स्पष्ट झलक दिखाई दी। शाम को प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। इसमें झलक बंडवा ने प्रथम, रौनक सोनी ने द्वितीय और अंजु कडेर ने तीसरा स्थान हासिल किया। इनके अलावा तनिशा माली, कोमल प्रजापत, यशस्वी माली, संगीता शर्मा और विशाखा रैगर को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में डॉ. राम सिंह भाटी, संजय सेठी और किशोर सदाशिव जज थे।

दोस्तों की मदद से इकट्ठे किए डॉलर

मन्नत पूरी होने पर सांवलिया सेठ को पहनाई डॉलर से बनी पोशाक

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया में प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर है। सांवलिया सेठ मंदिर की प्रसिद्धि भक्तों द्वारा चढ़ाए जाने वाले दान को लेकर भी है।

भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने पर वह यहां कीमती चीजें दान करते हैं। अब यहां एक भक्त ने सांवरा सेठ को अमेरिकी डॉलर से बनाई पोशाक पहनाई है। इस विचित्र दान की चर्चा हर तरफ बनी हुई है। इस पोशाक को बनाने के लिए 70 अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल किया गया है।

दरअसल, एक भक्त ने अपनी मन्नत पूरी होने के बाद सांवलिया सेठ मंदिर में दान करने का मनोकामना की थी। भक्त की मन्नत पूरी होने के बाद उसने मंदिर में 70 अमेरिकी डॉलर से बनी पोशाक पहनाई है।

यह भक्त चित्तौड़गढ़ का रहने वाला है, जिसका रघु सोनी है और ज्वेलरी का कारोबार करते हैं।

मन्नत पूरी होने पर रघु सोनी सांवलिया जी के ही एक टेलर से यह पोशाक बनवाई है।

इससे पहले भी कई भक्त अलग-अलग तरह की आकर्षक पोशाक यहां भेंट कर चुके हैं। भक्त ने मीडिया से कहा कि काम अटका हुआ था, जिस पर मन्नत मांगी थी।

धनखड़ की मिमिक्री के मामले में बीजेपी का प्रदर्शन

उप राष्ट्रपति का अपमान नहीं करेंगे बर्दाश्त

बेधड़क | भरतपुर

उप राष्ट्रपति जगदीप सिंह धनखड़ की मिमिक्री के मामले में लगातार विरोध जारी है। शुक्रवार को भरतपुर बीजेपी ने शहर के बिजली घर चौराहे पर राहुल गांधी का पुतला फूंका।

बीजेपी जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज ने कहा कि टीएमसी के सांसद ने हमारे उप राष्ट्रपति का अपमान किया है। उनकी मिमक्री कर लोकतंत्र की हत्या की गई है। बीजेपी के जिला अध्यक्ष ने कहा- लोकतंत्र के सबसे मंदिर लोकसभा में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने हमारे देश के उप राष्ट्रपति का अपमान किया गया, उनकी मिमक्री कर मखौल उड़ाया गया। राहुल गांधी ने मिमिक्री का वीडियो बनाकर लोकतंत्र की हत्या की है और संवैधानिक दायित्वों का अपमान किया है। उन्होंने कहा- देश के उप राष्ट्रपति किसान परिवार से हैं। यह सीधा सीधा देश के किसान का अपमान है। इस अपमान को किसान किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा। आने वाले लोकसभा चुनावों में अपने वोट की ताकत से इस अपमान का जवाब देगा।

आने वाले लोकसभा चुनावों में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। जिससे देश की सभी पार्टियां बौखला गईं हैं। बौखलाहट में इस स्तर तक गिर चुकी हैं कि उनका नैतिक पतन हो चुका है। बीजेपी इसकी कड़े शब्दों में निंदा करती है।

केंद्र सरकार पर लगाया तानाशाही का आरोप

विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ कांग्रेस का मुख्यालयों पर धरना

बेधड़क | भरतपुर

संसद में विपक्ष के 146 सांसदों के निलंबन के फैसले के खिलाफ विपक्षियों के पार्टियों के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान कांग्रेस इकाई ने शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर केंद्र सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

भरतपुर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी जिला कलेक्ट्रेट के सामने धरना और प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 146 विपक्षी सांसदों के निलंबन को रद्द करने की मांग की है। भरतपुर के कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन आयोजन किया गया। कांग्रेस के धरना प्रदर्शन में वक्ताओं ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला।

- भरतपुर में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र में तानाशाही की सरकार चल रही है। संसद से 146 सांसदों को निलंबित कर बीजेपी मनमानी कर रही है। कांग्रेस के नेताओं ने 146 सांसदों को बहाल करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने आह्वान किया है कि अगले साल यानी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकने को कहा है।

दौसा जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

दौसा। दौसा में भी कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसी जिला कलेक्ट्रेट के बाहर जमा हुए, जहां उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामजी लाल औंढ़ ने कहा कि लोकसभा के अंदर सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक हुई। इसे लेकर कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं ने सुरक्षा की मांग उठाई, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए विपक्षी सांसदों को लोकसभा से निष्कासित करा दिया। इस लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंदर इससे बड़ी तानाशाही और कुछ नहीं हो सकती है।

अनैतिक नीतियों के खिलाफ है कांग्रेस

जैसलमेर। जिला कांग्रेस कमेटी जैसलमेर की ओर से भी केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जिला मुख्यालय स्थित हनुमान चौराहे के गांधी दर्शन स्थल पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मीडियाकर्मियों से मुखातिब हुए जिलाध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर ने बताया कि पूरे प्रदेश में केंद्र की मोदी सरकार की अनैतिक नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। केंद्र की की भाजपा नीत सरकार ने देश के लोकतंत्र पर प्रहार करते हुए संसद के दोनों सदनों से विपक्ष के सांसदों को निलंबित किया है जो कि सरासर गलत है।

अजमेर में निकाला जुलूस, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजमेर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भी विरोध प्रदर्शन किया गया। जुलूस के रूप में प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसी जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर भारती दीक्षित को ज्ञापन सौपा। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार ऐसा देखने को मिला है। दोनों सदन के 146 सांसदों का निलंबन आश्चर्य की बात है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से सविधान को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। साथ ही लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

हाथों में काली पट्टी बांधकर उतरे

भीलवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भीलवाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी की मौजूदगी में हाथों में काली पट्टी बांधकर पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में काफी कम भीड़ नजर आई। वहीं, मौके पर मीडियाकर्मियों से रूबरू हुए जिलाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने लोकतंत्र की हत्या की है, जिसके विरोध में कांग्रेसी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किए।

राजस्थान विश्वविद्यालय गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस पर विशेष कार्यक्रम

मैथ्स एक्टिविटीज में दिखीं छात्रों की प्रोब्लम सॉल्विंग स्किल्स

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के गणित विभाग में शुक्रवार को राष्ट्रीय गणित दिवस और प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 136वीं जयंती पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विभाग के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। विभागाध्यक्ष डॉ. ममता गोयल ने रोजमर्रा की जिंदगी में विभिन्न गणितीय संक्रियाओं के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. परेश व्यास ने प्रसिद्ध गणितज्ञ रेने देकार्ते के प्रसिद्ध शब्दों को उद्धत करते हुए आलोचनात्मक सोच के महत्व को रेखांकित किया। विभाग के शिक्षकों ने श्रीनिवास रामानुजन और गणित के विविध अनुप्रयोगों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। इस दौरान श्रीनिवास रामानुजन और गणित पर केंद्रित ओरल प्रेजेन्टेशन में करीब 20 छात्रों ने भाग लिया व अपनी प्रोब्लम सॉल्विंग स्किल्स का प्रदर्शन किया। गणित के महत्व को दर्शाने वाली पोस्टर प्रस्तुति में करीब 30 विद्यार्थियों ने पोस्टर्स के माध्यम से गणित के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लगभग 80 छात्रों की भागीदारी रही।

समाजशास्त्र के पहलुओं पर की चर्चा

राजस्थान विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शोध केन्द्र में व्याख्यान श्रृंखला का शुक्रवार को उद्घाटन हुआ। सत्र के प्रारम्भ में केन्द्र के निदेशक डॉ. अशोक सिंह ने समाज विज्ञान शोध केन्द्र की उपलब्धियों की जानकारी दी। सह आचार्य डॉ. शालिनी चतुर्वेदी ने समाज विज्ञान विषय के सम्मुख उभरते मुद्दे एवं चुनौतियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वैश्विक सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिप्रेक्ष्य में तीव्र गति से हो रहे परिवर्तनों को दृष्टिगत रखते हुए समाज विज्ञान के विषयों के सम्मुख पहचान का संकट है। विषय वस्तु, अध्ययन, अध्यापन, शोध एवं व्यावहारिक उपादेयता की अनेक चुनौतियां हैं। उद्घाटन सत्र की समन्वयक डॉ. एकता मीना ने बताया की शोधार्थियों एवं समाज विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए विविध विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान केन्द्र द्वारा कराया जाएगा। इस व्याख्यान में डॉ. समुन मौर्य, डॉ. मीना रानी, डॉ. लक्ष्मी परेवा एवं डॉ. नीलम पुरोहित सहित विभिन्न शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए।

Yuva स्टोरीज

माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण के लिए चुनौती

बेधड़क | जयपुर

विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'पर्यावरण और सतत विकास में हालिया रुझान' विषय पर शुक्रवार से शुरू हुए तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती है और इससे निपटने के लिए तकनीक विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। सम्मेलन में बोलते हुए इंडिया कोरिया सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन के निदेशक प्रो. यंग हो किम ने माइक्रोप्लास्टिक खतरे का मुकाबला करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने डीएनए अलगाव के लिए एक अनोखा उपकरण तैयार किया है जो कुछ ही सेकंड में डीएनए को अलग कर सकता है। मुख्य अतिथि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. जैनेंद्र के जैन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को सीमित प्राकृतिक संसाधनों का इस प्रकार से उपयोग करने की आवश्यकता है ताकि वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी उपलब्ध रहें।

उन्होंने कहा कि हिंदू और जैन दर्शन में भी ऐसी विशेषताएं हैं जो सतत विकास और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की वकालत करती हैं। सम्मेलन में एमएनआईटी के डॉ. कमलेंद्र अवस्थी और आईआईटी-कानपुर के प्रो. प्रभात द्विवेदी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और शोधकर्ता एकत्र हुए हैं।

चुनौतियों से निपटने को शुरू हों उपाय

वीजीयू के वाइस चेयरपर्सन डॉ. केआर बगरिया ने पर्यावरणीय चुनौतियों के एकीकृत समाधान के लिए अंतर-विषयक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि खाद्य उत्पादन में गिरावट का आकलन करके पर्यावरण में बदलाव के प्रभाव को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। वीजीयू के अध्यक्ष प्रो. विजय वीर सिंह ने कहा कि भारत को पर्यावरणीय चुनौतियों को गंभीरता से लेना चाहिए और इसमें होने वाले परिवर्तनों के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए उपाय शुरू करने चाहिए। सम्मेलन के संयोजक डॉ. सुबोध श्रीवास्तव और आयोजन सचिव डॉ. कुमुद कांत अवस्थी ने धन्यवाद दिया।

युवाओं को मिलेंगे कॅरियर ऑप्शन

बेधड़क | जयपुर

द एजुकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज जयपुर की ओर से शनिवार व रविवार को मेगा कॅरियर फेयर का आयोजन किया जाएगा। दोनों दिन सुबह 9 से शाम 5 बजे तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में लगने वाले फेयर में युवाओं को कॅरियर अपॉर्च्युनिटीज मिलने के साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण भी दिए जाएंगे। इस अवसर पर भारत व विदेश की 50 से अधिक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी तथा कॉलेज से संबंधित जानकारी एक ही छत के नीचे प्राप्त हो पाएंगी। यहां शिक्षार्थियों के लिए 70 से अधिक विषय विशेषज्ञों के सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार होंगे व कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में प्रबंधन गुरु एन रघुरामन मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष केदारमल भाला, उपाध्यक्ष बजरंग लाल बाहेती, महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहानी, कोषाध्यक्ष सीए अनिल कुमार शारदा, मानद सचिव घनश्याम कचौलिया, संयोजक आशीष जाखोटिया, सह संयोजक वैभव सोमानी एवं समन्वयक डॉ. सुनीता वशिष्ठ को बनाया गया है।

गोल्डन ऐरा एकेडमी का सामूहिक वार्षिकोत्सव

नन्हें कलाकारों ने छुआ उल्लास का आसमान

बेधड़क | जयपुर

कभी भगवान शंकर का अपने गणों के साथ तांडव तो कभी रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों को बॉलीवुड सॉन्गस की बीट दमदार डांस, कभी भजनों की सुर लहरियां तो कभी नन्हें कदमों की थिरकन से दुनिया जीत लेने का संदेश।

कुछ ऐसा नजारा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में देखने को मिला। यहां गोल्डन ऐरा एकेडमी का सामूहिक वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया। संस्थान की जगतपुरा, प्रतापनगर, मालवीयनगर, मानसरोवर, महावीर नगर, बापू नगर आदि ब्रांचेस के बच्चों ने एक साथ इस सेलिब्रेशन को एंजॉय किया। प्रधानाध्यापिका पवनदीप कंग ने बताया कि वार्षिक उत्सव की शुरूआत हनुमान चालीसा के साथ हुई। निदेशक सुखवंत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस उत्सव में इस साल का विषय 'परिवर्तन' था।

इस उत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लिया। बच्चों के शानदार प्रदर्शन को दर्शक दीर्घा में मौजूद बच्चों, अभिभावकों व स्टाफ मेंबर्स ने जमकर एंजॉय किया।

संगीत और नाटक की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

बच्चों ने उत्साह के साथ किया नववर्ष का स्वागत

जयपुर। एसआरएन इन्टरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स ने शुक्रवार को आने वाले नववर्ष का स्वागत रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ किया। विद्यालय में आगामी नववर्ष 2024 को लेकर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके साथ ही स्कूल में चल रही प्रदर्शनी 'एसआरएन एड्युप्रोलिक्स- 2023' में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए बच्चों की पार्टी का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपने मन पसंद व्यंजनों का लुफ्त उठाया। साथ ही क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए भी बच्चों में भारी उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने प्रभु यीशु के जीवन पर आधारित एक लघु नाटिका जिसमें प्रभु यीशु के जन्म से अन्त तक होने वाली सभी घटनाओं का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया था, को पूरे उल्लास के साथ मंचित किया। इस अवसर पर ग्रुप डांस कॉम्पिटिशन में बच्चों ने डांस के जलवे दिखाए व केक काटकर नए साल का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्राचार्या उषा शर्मा ने प्रदर्शनी में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि सम्पूर्ण विश्व आज धर्मभेद की घटनाओं से ग्रस्त है लेकिन हमें इन बुराईयों को मिटाकर नए साल में सभी धर्मो के प्रति श्रद्धा रखते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को स्थापित कर व्यवहार में लाना है।

अभी तक टेंट में चल रही थी पाठशाला

अब कमरों में बैठकर पढ़ेंगे विद्यार्थी

बेधड़क | जयपुर

न्यू लोहामंडी रोड स्थित झुग्गी कॉलोनी में उत्थान सेवा संस्थान की ओर से संचालित निःशुल्क 'अपनी बाल संस्कार पाठशाला' के छात्र-छात्राओं के बैठने के लिए नव निर्मित कमरों का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट कैपिटल की निदेशिका पूनम बगड़िया, पूजा अवहद, सियाराम बोहरा मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर पूनम बगड़िया ने बच्चों को गर्म स्वेटर, स्टेशनरी का सामान वितरित किया। उत्थान सेवा संस्थान अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर रोटरी क्लब के डीडी सोनी, रमेश गोयल, राजेश अग्रवाल, राकेश पारीक, रसायन शास्त्री संतोष त्रिपाठी, वैश्य महासभा के राजेश अग्रवाल, कर्नल जगदीश चंद्र, जलंधरा कास्ट्रक्शन के सुल्तानसिंह, किसान सेवा समिति के श्याम सुंदर मूंदड़ा, सीए राकेश माटोलिया व अंजू गोयल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि अभी तक यह पाठशाला टेंट में चल रही थी, जिसके कारण बच्चों को वर्षा और सर्दी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, किन्तु अब अस्थाई कमरों के बन जाने से शिक्षण कार्य सुचारु रूप से हो सकेगा।

मनोविज्ञान छात्राओं ने किया शैक्षणिक दौरा

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की छात्राओं ने स्कूली छात्राओं से मिलकर मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझा।

कॉलेज की ओर से शैक्षणिक दौरे के तहत ऑनर्स द्वितीय वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं को राजा पार्क स्थित लर्निंग एस्पिरेशन स्कूल ले जाया गया। स्कूल की निदेशक संध्या कासलीवाल ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने छात्राओं को लर्निंग डिसेबिलिटी से जुड़े विभिन्न टर्म्स डिस्लेक्सिया, डिस्कैलकुलिया, डिस्ग्राफिया आदि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लर्निंग डिसेबिलिटी बहुत ही कॉमन है, स्कूल की हर कक्षा में करीब 15% बच्चे इससे प्रभावित हैं। किंतु समय पर डायग्नोसिस नहीं हो पाने के कारण यह बढ़ जाती है ।

गौरतलब है कि लर्निंग ऐस्पिरेशन एक रेमेडियल सेंटर एवं स्कूल है जिसे नीता शर्मा ने स्थापित किया है। यहां एक छत के नीचे बच्चों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह रेमेडियल सेंटर पिछले अट्ठारह साल से अपनी सेवाएं दे रहा है । सत्र में महाविद्यालय की मनोविज्ञान विभाग की प्राध्यापिकाएं आयुषी सोरल एवं महिमा रामचंदानी उपस्थित रहीं।

उपलब्धि | गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा का दीक्षान्त समारोह

30 विद्यार्थियों को मिले गोल्ड मेडल, 11 को पीएचडी

बेधड़क | जयपुर

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के शुक्रवार को आयोजित पंचम दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति राज्यपाल कलराज मिश्र ने 30 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल व 11 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति (पीएचडी) उपाधि प्रदान की। विश्वविद्यालय कैंपस स्थित माही सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.केशवसिंह ठाकुर ने की।

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से प्रतिवर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित करता आया है। पंचम दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित करते हुए राज्यपाल मिश्र ने गोल्ड मेडल व उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विद्यार्थी अपनी भूमिका निभाएं।

उन्होंने आदिवासी समाज के युग पुरुष गोविन्द गुरु को नमन करते हुए उनके बलिदानों की बात की। कहा कि उनके द्वारा जनजाति समाज की आध्यात्मिक, परम्पराओं विशिष्ठ संस्कृति और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के लिए दिए गए योगदान को जनजातीय क्षेत्र में शोध और अनुसंधान कार्यो से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के प्रभावी विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के लिए सुनियोजित कार्य करने पर जोर दिया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के प्रथम नामित कुलपति और वर्तमान में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ठाकुर ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। रजिस्ट्रार राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने समारोह की औपचारिक गतिविधियों में भागीदारी निभाई। समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक अभीजीत सिंह, जिला परिषद सीईओ वीसी गर्ग, पूर्व सांसद मानशंकर, पूर्व मंत्री दलीचन्द मईडा, जिला परिषद सदस्य हकरु मईडा, समाजसेवी मुकेश रावत, लाभचन्द पटेल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व यूनिवर्सिटी छात्र मौजूद थे।

राज्यपाल को दिया गार्ड ऑफ ऑनर

राज्यपाल मिश्र के बांसवाड़ा पहुंचने पर जिला पुलिस अधीक्षक अभीजित सिंह व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीसी गर्ग ने उनकी अगवानी की। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल ने कैंपस में कदम्ब का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने विवि के वानस्पतिक उद्यान का भी अवलोकन किया। साथ ही विश्वविद्यालय के सभागार का शिलान्यास भी किया।

जनसरोकारी राजनेता चौधरी चरण सिंह

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

सैकड़ों साल बाद भारतीय समाज का स्वरुप, चरित्र एवं चिंतन की व्याख्या का दायरा और उसके मूल्यों को मापने व परखने का मापदंड क्या होगा इसकी भविष्यवाणी आज संभव नहीं है। लेकिन जब भी असमानता और अन्याय पर आधारित समाज के खिलाफ तनकर खड़े होने वाले राजनीतिक पुरोधाओं का मूल्यांकन होगा किसान नेता चौधरी चरण सिंह सदैव याद किए जाएंगे। उनका सामाजिक-राजनीतिक अवदान दबे-कुचले वंचितों, शोषितों एवं पीड़ितों की चेतना को मुखरित करने के लिए याद किया जाएगा। चौधरी साहब को समझने के लिए तत्कालीन सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था की बुनावट, उसकी स्वीकृतियां, विसंगतियां एवं धारणाओं को भी समझना होगा। राजनीति के विराट संसार में चौधरी चरण सिंह का प्रवेश तब हुआ, जब मोहनदास करमचंद गांधी ब्रिटिश पंजे से भारत को मुक्त कराने की जंग लड़ रहे थे। 1930 में गांधीजी के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान चरण सिंह ने हिंडन नदी पर नमक बनाकर उनका समर्थन किया। उन्होंने गांधीजी के साथ जेल की यात्रा की। दिल्ली से नजदीक गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, मवाना और बुलंदशहर के आसपास क्रांति का बीज रोपा। गुप्त संगठन खड़ा कर ब्रितानी हुकुमत को चुनौती दी। इससे खौफजदा ब्रितानी ताकत ने उन्हें गोली मारने का फरमान सुनाया, लेकिन उनके इंकलाबी तेवर कमजोर नहीं पड़े। उन्होंने भारत माता की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का संकल्प ठान लिया। उन्होंने डटकर ब्रितानी हुकुमत की चुनौतियों का आंलिगन किया। जनता के बीच सभा करते हुए एक दिन पकड़ लिए गए। राजबंदी के रूप में डेढ़ वर्ष की सजा हुई। किंतु इस सजा कालखंड का भी उन्होंने सदुपयोग किया। जेल में रहकर 'शिष्टाचार' नामक ग्रंथ की रचना की जो भारतीय संस्कृति और समाज के शिष्टाचार के विविध पहलूओं पर प्रकाश डालती है। चरण सिंह की अंग्रेजी भाषा पर गजब की पकड़ थी।

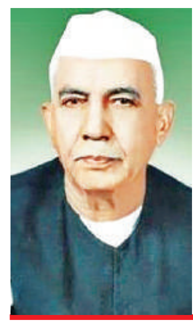

देश के राजनीतिक दल और राजनेता चौधरी चरण सिंह के नाम की माला जरूर जपते हैं लेकिन उनके द्वारा स्थापित कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। वे चौधरी साहब के आदर्शों , सिद्धांतों को ताक पर रखकर जाति, धर्म अगड़ा-पिछड़ा, सवर्ण-दलित का वितंडा खड़ाकर सत्ता हथियाने का व्यूह रचते हैं। देर-सबेर ऐसे राजनेताओं को समझना होगा कि वे चौधरी साहब के सपनों के साथ छल कर रहे हैं।"

उन्होंने 'अबॉलिशन ऑफ जमींदारी' 'लिजेंड प्रोपराइटरशिप' और 'इंडिया पॉवरर्टी एंड इट्स सॉल्यूशन' नामक पुस्तकों का लेखन किया। आजादी के उपरांत वे किसानों के ताकतवर नेता बनकर उभरे और भारत के किसानों ने उनमें एक मसीहा की छवि देखी। उनकी छवि एक गंवई व्यक्ति की थी जो सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखता था। 1952 में उत्तर प्रदेश सरकार के एक मंत्री के रूप में उनके द्वारा तैयार किया जमींदारी उन्मूलन विधेयक जो कि कल्याणकारी सिद्धांत की अवधारणा पर आधारित था, इस विधेयक के बदौलत ही 1 जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को उनका अधिकार मिला। लेखपाल पद के सृजन का श्रेय भी चौधरी चरण सिंह को ही जाता है।

किसानों के इस मसीहा ने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। 1960 में भूमि हदबंदी कानून को लागू कराने में भी इनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। आसमान छूती लोकप्रियता के दम पर वे 3 अप्रैल 1967 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने समाज व अर्थव्यवस्था के गुणसूत्र को बदलने का मन बना लिया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और हाशिए पर खड़े लोगों की समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिए। कुटीर उद्योग के विकास की नीतियां बनाई। सामाजिक समानता की स्थापना के लिए परंपरागत मूल्यों और मान्यताओं को हथियार बनाने के बजाय उस पर ही हमला बोला। उन्होंने एक शासकीय आदेश पारित किया कि 'जो संस्थाएं किसी जाति विशेष के नाम से चल रही हैं, उनका शासकीय अनुदान बंद कर दिया जाएगा।' इसका असर यह हुआ कि कॉलेजों के नाम के आगे से जातिसूचक शब्द हटा लिए गए। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी उनके खिलाफ मुखर होने लगे। उन पर जातिवादी, दलित और अल्पसंख्यक विरोधी होने के आरोप चस्पा किया जाने लगा। 17 अप्रैल 1968 को उन्होंने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया, लेकिन जनमानस के नायक बने रहे। किसानों में उनकी लोकप्रियता बढ़ती गई। मध्यावधि चुनाव में वह 'किसान राजा' के नारे के साथ मैदान में उतरे और विरोधियों पर शानदार जीत अर्जित की। 17 फरवरी 1970 को वे पुनः मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कृषि में आमूलचुल परिवर्तन का रोडमैप तैयार किया। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए उर्वरकों से बिक्री कर हटाया। सीलिंग से प्राप्त भूमि को गरीबों में वितरित किया। चरण सिंह अपनी योग्यता और लोकप्रियता के दम पर केंद्र सरकार में गृहमंत्री बने। पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाने के लिए मंडल और अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे वित्तमंत्री और उपप्रधानमंत्री बने और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की। 28 जुलाई, 1979 को वे देश के प्रधानमंत्री बने। वे प्रधानमंत्री के पद पर कुछ ही दिन रहे। इंदिरा गांधी ने बिना बताए ही उनकी सरकार से समर्थन वापस ले लिया। दरअसल इसका कारण यह रहा कि इंदिरा गांधी पर जनता पार्टी की सरकार ने कई मुकदमे लगा रखे थे। वह चाहती थी कि चौधरी साहब समर्थन के एवज में उन मुकदमों को हटाने का भरोसा दें, लेकिन चौधरी साहब को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने सौदेबाजी को खूंटी पर टांग प्रधानमंत्री पद को ठोकर लगाना बेहतर समझा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

लोकसभा चुनावों के लिए सजने लगी सियासी बिसात

तेज हुई बाजी पलटने की सियासत

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

"गठबंधन की बैठक में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने गठबंधन के पीएम फेस के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित किया। खरगे ने हालांकि इससे इनकार कर दिया और कहा कि इसका फैसला चुनाव नतीजों के बाद किया जाए। फिलहाल जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव के साथ ही गठबंधन के भीतर की असहजता भी नजर आने लग गई।"

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों से 146 सांसदों के निलंबन और सियासी वार-पलटवार के बीच अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों की ओर से चुनावभेरी बज चुकी है। सांसदों के निलंबन के विरोध में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत सरकार को जमकर घेरा।

इस विरोध में लोकसभा चुनाव के लिए चुनावी सुर भी छुपे हैं। वैसे विपक्षी दलों ने अपनी चुनावी तैयारियों का आगाज गत मंगलवार को 28 दलों के विपक्षी गठबंधन की बैठक के साथ कर दिया। बैठक के एक दिन बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने बैठक कर फिर चुनावी रणनीति पर मंथन किया। इसके एक दिन पहले कांग्रेस संसदीय दल बैठक में सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं को इंडिया के घटक दलों के साथ मिलकर काम करने की नसीहत दी। दूसरी ओर भाजपा भी चुनावी तैयारियों पर मंथन करने और सामाजिक समीकरण साधने में जुटी है। भाजपा हाल के विधानसभा में तीन राज्यों में पार्टी को मिली जीत के बाद वहां नए मुख्यमंत्रियों के चयन से लेकर मंत्रिमंडल के गठन में कई सारी स्थापित मान्यताओं को नजरअंदाज कर आगे बढ़ रही है। वह अपेक्षाकृत युवा चेहरों को आगे लाई है। यह पार्टी के लिए जोखिम भरा कदम भी हो सकता है और वरदान भी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान एक दिग्गज नेता की उपेक्षा समेत बागियों के मैदान में उतरने व आपसी कलह का मसला खूब उठा, लेकिन पार्टी अपनी रणनीति और सामाजिक समीकरणों के बूते विजय द्वार तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि उसकी जीत का प्रबल वेग राजस्थान में आकर धीमा पड़ गया था। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश में भाजपा दो तिहाई बहुमत हासिल करने में सफल रही लेकिन राजस्थान में वह आंकड़ा नहीं छू सकी। वहीं, लोकसभा चुनावों के लिए राज्यवार पार्टी की रणनीति और स्थिति का आकलन करने में जुटी कांग्रेस के सामने ये बिंदु अवश्य आए होंगे कि वह किस मुकाम पर आकर चूक गई। अगले माह रामलला अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के साथ अपने मंदिर में विराजमान होंगे और सारा देश राममय नजर आएगा। कांग्रेस और उसके साथी विपक्षी गठबंधन को अगले लोकसभा चुनाव के लिए आगे का सफर उसी राममय माहौल से होकर तय करना होगा। अब देखना होगा विपक्षी गठबंधन उस राममय जनधारा में कहां तक डुबकी लगा पाएगा और उसे भावनात्मक रूप से कितना महसूस कर पाता है। लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस और उसके साथ के विपक्षी गठबंधन के नेताओं को इस जनभाव को अपने भीतर उतारना होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने गत दिनों पार्टी व विपक्षी दलों को सीख देते हुए एक अहम बात कही थी कि भाजपा हर चुनाव को ऐसे लड़ती है जैसे कि ये उनकी आखिरी लड़ाई हो, विपक्षी दलों को इससे सीखना चाहिए।

विपक्षी गठबंधन लिए सीटों के बंटवारे, नेतृत्व और आपसी समन्वय जैसे पेचीदा मसलों को हल करने के लिए चिदंबरम की यह सीख मार्गदर्शक बन सकती है, क्योंकि चुनावी शह-मात का खेल केवल भाजपा के खिलाफ ही नहीं खुद इंडिया गठबंधन के कुछ दलों के बीच भी चलने वाला है। गठबंधन की बैठक में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने गठबंधन के पीएम फेस के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित किया। खरगे ने हालांकि इससे इनकार कर दिया और कहा कि इसका फैसला चुनाव नतीजों के बाद किया जाए। फिलहाल जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव के साथ ही गठबंधन के भीतर की असहजता भी नजर आने लग गई। राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा शुरू हो गई कि इस प्रस्ताव से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हैं।

अब मीडिया में खबरें आ रही हैं कि रूठे नीतीश कुमार को मनाने के लिए राहुल गांधी ने फोन कर उनसे बात की और आश्वस्त किया कि गठबंधन में उनकी अहम भूमिका होगी। सीटों के बंटवारे और अन्य मुद्दों पर फैसला जल्द किया जाएगा। हालांकि खरगे के नाम का प्रस्ताव एक रणनीतिक कदम साबित हो सकता है। इसमें कई राजनीतिक मायने छिपे हैं। इसमें एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि खरगे दक्षिण भारत से हैं और दलित समुदाय से आते हैं। उनका नाम कांग्रेस समेत समूचे विपक्षी गठबंधन के लिए दलित वोटों को साधने की दृष्टि से फायदेमंद हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर यह सवाल भी उठ सकता है कि कई विपक्षी दल राहुल गांधी को पीएम फेस घोषित कर चुनाव मैदान में नहीं उतरना चाहते जबकि कांग्रेस में राहुल के नाम पर सर्वानुमति वाली स्थिति है।

विपक्षी गठबंधन को इन सवालों से जल्द बाहर निकलना होगा। भाजपा विपक्षी गठबंधन से इसी मुद्दे पर आगे है। विपक्षी गठबंधन जब तक इन मुद्दों से पार पाएगा, तब तक भाजपा अपनी सियासत और सामाजिक समीकरणों की बिसात बिछा चुकी होगी। भाजपा विधानसभा चुनावों के तत्काल बाद देश की सियासी नब्ज टटोलने में जुट गई है। पीएम मोदी के नमो एप पर जनमन सर्वे शुरू हो गया है। यह सर्वेक्षण एक प्रकार से सरकार और भाजपा सांसदों का रिपोर्ट कार्ड होगा और पार्टी टिकटों के आवंटन में इसकी अहम भूमिका हो सकती है। यदि भाजपा किसी सांसद का टिकट काटती है या रिपीट करती है तो इसके लिए उसके पास एक रिपोर्ट कार्ड होगा और यह रिपोर्ट कार्ड असंतोष के किसी भी सुर को मौन करने के भी काम आ सकेगा।

यह बाजी पलट देने की भाजपा की चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा है। उसने विधानसभा चुनावों में भी यह नुस्खा आजमाया था। उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के हर विधानसभा क्षेत्र में दूसरे राज्यों के विधायकों को भेजकर सर्वे कराया और अमजन का मन टटोला। निश्चित रूप से सर्वेक्षण में मिला फीडबैक नए चेहरों को आगे लाने में पार्टी के लिए सहायक रहा होगा। अब जब विपक्षी गठबंधन में शामिल दल लोकसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन और सीटों का बंटवारा करेंगे, तब क्या अयोध्या में रामलला के विराजमान से आह्लादित जनमानस का भाव उनके फीडबैक में शामिल होगा। जनमन को टटोले बिना जीत के सूत्र नहीं निकल सकते। इसके साथ ही विपक्षी गठबंधन को सांसदों के निलंबन के मसले से भी सबक लेने की जरूरत है।

किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति पर कोई अमर्यादित टिप्पणी नुकसानदेह साबित हो सकती है, क्योंकि देश में चुनावी राजनीति, जातीय या सामाजिक पहचान को उस मुकाम पर ले आई है कि जहां उच्च पदों पर आसीन व्यक्ति की योग्यता से ज्यादा उसकी सामाजिक पहचान रेखांकित की जाने लगी है। कोई मुख्यमंत्री बने या मंत्री या पार्टी का बड़ा पदाधिकारी, उसके साथ ही यह चर्चा शुरू हो जाती है कि यह फलां पार्टी का फलां चेहरा है। किसी की ब्राह्मण चेहरे तो किसी की ओबीसी, आदिवासी, दलित या क्षेत्र विशेष के प्रभावशाली जातीय चेहरे के रूप में चर्चा शुरू हो जाती है। कल तक के कद्दावर नेता अब जातीय चेहरे बनते जा रहे हैं। सामाजिक सर्वमान्यता का यह क्षरण अब रोका जाना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

अरे वो गिर गया!

प्रभात गोस्वामी
व्यंग्यकार

'अरे वो गिर गया, गिर गया बेचारा!' पड़ोस वाले घर से तेज़ आवाज़ सुनकर वह बाहर निकला। बड़े आश्चर्य के साथ पूछा ,' कौन गिर गया? क्या फिर से शेयर गिरा है?' एक बार क्या गिरा, देश में हंगामा खड़ा कर दिया था मुए ने !' पड़ोसी बोले,' अरे नहीं भाई, शेयर तो गिर कर उठ जाता है। वो छन्नू बाबू गिर गया, उठ नहीं पा रहा है,' 'कितना गिरा?' 'कितना गिरा, मतलब? ये भी कोई सवाल हुआ, क्या गिरने का भी कोई मापदंड होता है?'

'जी बिलकुल होता है। अरे भाई, गिरने के कई प्रकार हैं। कोई गलती से गिरता है और झाड़ फूंककर तुरंत उठ जाता है। कोई इतना गिरता है कि उठने का कोई चांस ही नहीं होता। कोई गिरता ही इसलिए है कि फिर कभी भी न उठे। कोई गोदी में गिरकर अपना लालन-पालन सुरक्षित कर लेता है। कोई चलते-चलते चरणों में गिरता है और उन्हीं को खींचकर उठता है। कोई गोबर की तरह से गिरता है, कुछ लेकर ही उठता है!

'अमां यार, गिरा तो तगड़ा ही था ,उठना चाहा पर उठ नहीं पा रहा है।' 'वैसे आजकल एक बार गिर जाए तो लोग उठने की कोशिश भी नहीं करते। कई बार गिरने के बाद उठने की इच्छा भी नहीं होती! गिरने में मज़ा आता है। कई बार गिरने पर लोग भी उठने नहीं देते।'

'तुम्हें कैसे समझाऊं? वो सीढ़ियों से उतर रहा था कि अचानक पैर फिसल गया।' 'यह भी हो रहा है। पहले लोग पहले सीढ़ियां उपलब्ध करवाते हैं। जहां पैर फिसलते देर भी नहीं लगती। ज़माना बहुत ख़राब है. वैसे आजकल लोग गिरने में ही उठने के अवसर तलाश रहे हैं!' 'क्या बकवास कर रहे हो , वो ऊपर से नीचे की ओर गिरा है।' 'गिरने का आलम यही है। जितना ऊपर जाते हैं, उतना ही नीचे गिरते हैं।'

'भैया , क्या बोले जा रहे हो? उसे गिरने पर भयंकर दर्द हो रहा है।' 'सफ़ेद झूठ। आजकल गिरने वाले को नहीं, सामने वाले को ज्यादा दर्द होता है। गिरा हुआ इंसान किसी भी हद तक और गिर सकता है। इस तरह से गिरना, जनता के लिए ज्यादा घातक होता है।' 'अरे यार, तुझे कैसे समझाऊं?'

'मैं सब समझ रहा हूं। आजकल उठने के लिए गिरना ज़रूरी होता है। गिरने वाला ही ऊपर उठता है।' 'मां कसम , मैं अपने छोटे भाई छन्नू बाबू की बात कर रहा हूं। वो ऑफिस जाने की जल्दी में छत से नीचे उतरते हुए, पैर फिसलने से गिर कर आंगन में आ गिरा।'

'ओह! गिरने का स्थान यही मिला उसे? ऑफिस में गिरता तो कुछ लेकर ही उठता।' उसने ज्ञान दिया। तभी घर के आंगन में चारोंखाने चित्त छन्नू बाबू कराहते हुए ज़ोर से बोला ,' अरे, वहां तो इंच-इंच में लोग गिरे हुए हैं। थोड़ी- सी जगह तो मिले गिरने के लिए !! अब मुझे उठाओ भी। कहीं मेरा उठावना न हो जाए!

नॉलेज कॉर्नर: अमीरों की लिस्ट में कैसे ऊपर नीचे होता है नाम

इस तरह आंकी जाती है धनकुबेरों की दौलत

दुनिया में हर साल सबसे अमीर इंसानों की एक लिस्ट जारी होती है। जिसमें कभी कोई तो कभी कोई टॉप पर होता है। फिलहाल इस लिस्ट में जो नाम टॉप पर है वह है अमेरिकी एलन मस्क का जो टेस्ला, स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के संस्थापक है। इसके साथ ही हाल ही में इन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स(पूर्व में ट्विटर) को भी खरीद लिया है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है। आखिर इस लिस्ट को तैयार कैसे किया जाता है। कैसै इसमें हर साल कोई ऊपर तो कोई नीचे चला जाता है। आइए रइसों के बारे में विस्तारपूर्वक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

फोर्ब्स मैगजीन जारी करती है सूची

अमेरिका की प्रतिष्ठित मैगजीन फोर्ब्स हर साल दुनिया के सबसे अमीर इंसानों की सूची जारी करती है। जिसमें शीर्ष 100 लोग शामिल होते हैं। हर साल फॉर्ब्स अमीरों की कुल संपत्ति का आंकलन करता है। उनकी संपत्ति का क्या-क्या जरिया है उसको जांचता है। कितना कर्ज है और कुल संपत्ति कितनी है इसको सत्यापित करता है। इसके बाद ही फॉर्ब्स अमीरों की सूची तैयार करता है। कभी कभार देखने को मिला है कि फोर्ब्स द्वारा बताई गई संपत्ति वास्तविक संपत्ति से मेल नहीं खाती। ऐसे में फोर्ब्स

के संपादकों से इस बारे में बात करके आंकड़ों में सुधार किया जाता है। लेकिन इसके लिए वैध दस्तावेज दिखाने जरूरी होते हैं। मशहूर अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट के मामले में ऐसा हो चुका है। फोर्ब्स ने उनकी संपत्ति 1.3 बिलियन डॉलर बताई जबकि कान्ये वेस्ट का कहना था कि उनकी असल संपत्ति 3 बिलियन डॉलर है। हालांकि वो इसे साबित नहीं कर पाए थे।

सबसे धनी देश आयरलैंड

2023 के सबसे धनी देशों की लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर आयरलैंड आता है। ये छोटा सा देश 2023 में दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में शुमार है। कम आबादी और आर्थिक स्थिरता की वजह से इस देश ये उपलब्धि हासिल की है। दुनिया के कई लोग और महत्वपूर्ण हाउसेज ने इस देश में निवेश भी किया हुआ है। वहीं इस लिस्ट में अगला देश लक्समबर्ग आता है। वैसे तो मामूली से अंतर के साथ ये देश आयरलैंड से काफी पीछे है। परंतु जीडीपी पर कैपिटा की तुलना में यहां हर व्यक्ति आयरलैंड से भी आगे है। इस देश में सालाना औसत प्रति व्यक्ति आय 73 लाख रुपए से अधिक है। मतलब यहां रोज एक व्यक्ति 20 हजार रुपए कमाता है।

मस्क दुनिया के तो मुकेश एशिया के अरबपति

साल 2023 में फोर्ब्स मैग्जीन द्वारा जारी गई सबसे अमीर लोगों की सूची में पहले स्थान पर एलन मस्क हैं जिनकी कुल संपत्ति 239 बिलियन डॉलर है। एशिया के सबसे अमीर शख्स भारत के मुकेश अंबानी हैं, मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 96.4 बिलियन डॉलर है। *कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन*

X

जया किशोरी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
खुद से खुश रहना सीखो
दुखी करने को तो दुनिया काफ़ी है।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
शीतकालीन संक्रांति के साथ, हम उत्तरायण में संक्रमण कर रहे हैं, जो मानव चेतना के खिलने की अपार संभावनाओं का काल है।

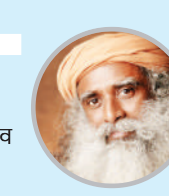

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
अच्छे रिश्ते एक-दूसरे को मूल्यवान, सराहना और पूरी तरह से स्वीकार्य महसूस कराने के बारे में हैं... संक्षेप में, एक-दूसरे को विशेष महसूस कराएं।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
जो चीज किसी ने अपने अथक प्रयास और मेहनत से हासिल की है, उसे आप केवल ख्वाहिश रखने से हासिल नहीं कर सकते।

भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक शुरू: राज्य इकाइयों ने दिया संगठनात्मक गतिविधियों का ब्योरा

लगातार तीसरी जीत पर मंथन शुरू, मोदी ने पूरी ताकत से जुटने को कहा

■ पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी के आखिरी हफ्ते में संभव

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी मिशन 2024 की तैयारी में जुट गई है। इसके तहत भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली में शुरू हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। भाजपा लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने की रणनीति पर मंथन कर रही है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आम चुनाव को लेकर पूरी ताकत झोंक दें।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में पार्टी के विभिन्न मोर्चों और राज्य इकाइयों ने अपनी मौजूदा संगठनात्मक गतिविधियों का ब्योरा साझा किया। उनके मुताबिक, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से इन मोर्चों व राज्य इकाइयों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव को लेकर नया नारा भी गढ़ लिया है। ये नारा है-सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, इसलिए तो सब मोदी को चुनते हैं।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनावों की तर्ज पर आम चुनाव के ऐलान से पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी के आखिरी हफ्ते में आ सकती है।

इन मसलों पर हो रही है चर्चा

सूत्रों के अनुसार इस दो दिवसीय बैठक में केंद्र सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', हाल के पांच विधानसभा चुनावों के परिणाम और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पार्टी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा हो रही है। इसके अलावा बैठक में निर्वाचित प्रतिनिधि प्रशिक्षण, विस्तार योजना और मोर्चा के गतिविधियों पर भी मंथन किया जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही जब पार्टी ने हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। इस चुनाव को आम चुनाव को देखते हुए सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा था। भाजपा को उम्मीद है कि वो लगातार तीसरी बार चुनाव जीतेगी और फिर से उसे बहुमत हासिल करेगी। बैठक यहां स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय (विस्तार) में शरू हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस बैठक में भाग लेने के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने उनका स्वागत किया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और विनोद तावड़े ने नड्डा का स्वागत किया।

एमपी: सीएम यादव ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य के विकास और जनहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में उनसे चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान मध्य प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ला भी मौजूद थे।यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर मध्यप्रदेश के विकास, प्रगति और जनहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। राज्य में सरकार गठन के बाद यादव अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ पहली बार दिल्ली पहुंचे हैं।

राज्यसभा: 3 सीटों के लिए चुनाव 19 जनवरी को

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली की तीन और सिक्किम की एक राज्यसभा सीट के लिये 19 जनवरी को चुनाव कराने की शुक्रवार को घोषणा की। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास गुप्ता का छह साल का कार्यकाल अगले साल 27 जनवरी को, जबकि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के हिशे लाचुंगपा का कार्यकाल अगले साल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही दो जनवरी को नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और नौ जनवरी नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी। स्थापित परंपरा के अनुसार, मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और मतगणना शाम 5 बजे से शुरू होगी। आयोग ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को राज्यसभा में तीन सीट आवंटित की गई हैं।

निलंबन के विरोध में विपक्षी नेताओं का देशभर में प्रदर्शन, कहा...

'लोकतंत्र को बचाने विपक्ष एकजुट अकेले मोदी कुछ नहीं कर सकते'

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के कई प्रमुख नेताओं ने हालिया शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों से 146 सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया और सरकार पर लोकतंत्र खत्म करने के प्रयास का आरोप लगाया।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के सभी नेता एकजुट हैं तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब अकेले कुछ नहीं कर सकते। जंतर-मतंर पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा, द्रमुक नेता तिरुची शिवा और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए। ज्ञात रहे कि सदन में तख्तियां लहराने और नारे लगाने के आरोप में शीतकालीन सत्र में कुछ दिनों के भीतर ही 146 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया।

विपक्षी सांसदों का निलंबन अपरिहार्य था: धनखड़

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन के सदस्यों के निलंबन को अपरिहार्य करार देते हुए न्यायोचित ठहराया है तथा कहा है कि सदस्यों के अति अनुचित व्यवहार के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। धनखड़ ने यह भी कहा है कि लोकतंत्र के मंदिर को सदस्यों की अवमानना से बचाने के लिए उन्होंने निलंबन की कार्रवाई की है। धनखड़ ने राकांपा प्रमुख शरद पवार को लिखे पत्र में संसद में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर 'सामूहिक चिंता' प्रदर्शित करने के बजाय राजनीतिकरण की व्यापक अवधारणा पर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

जाति के जिक्र पर खरगे का कटाक्ष , खुद को गिनाया

खरगे ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का नाम लिए बगैर कहा, मुझे इस बात का बहुत धक्का लगा कि उच्च संवैधानिक पद पर बैठे लोग कहते हैं कि मैं इस जाति का आदमी हूं, इसलिए मुझे अपमानित कर रहे हैं। हमें सदन में नोटिस तक नहीं पढ़ने दिया जाता, तो क्या मैं ये कहूं कि मोदी सरकार दलित को बोलने भी नहीं देती! उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर आपकी यह हालत यह है तो मेरे जैसे दलित की क्या हालत होगी।

देश की 60 % जनता का मुंह बंद कर दिया: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि संसद के हालिया शीतकालीन सत्र में विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करके न सिर्फ उनका अपमान किया गया, बल्कि देश की 60 प्रतिशत जनता का मुंह बंद कर दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने युवाओं से रोजगार छीन लिया है।

प्रजातंत्र बचाने को तैयार विपक्ष: पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि देश की संसद को, प्रजातंत्र को बचाने के लिए जो कुछ कीमत देनी पड़ेगी, वो कीमत चुकाने के लिए सभी विपक्षी दल तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि दलित, आदिवासी, युवा और किसान सभी दुखी हैं तथा भाजपा सभी समस्याओं की जड़ है। प्रजातंत्र पर हमला करने वाली सांप्रदायिक शक्ति को हम सत्ता से दूर करेंगे।

'मोदी की गारंटी' पर भरोसा: BJP

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व और अलोकतांत्रिक नेता करार दिया और यहां जंतर-मंतर पर 'इंडिया' गठबंधन के प्रदर्शन को हल्के में लेते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों को बेवकूफ बनाने के दिन लद गए हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामले पर सभी सांसदों को एक सुर में बोलना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी जैसे नेता इसके बजाय झूठे आरोप लगा रहे हैं।

चुनाव आयोग ने राज्यों को भेजा पत्र

गृह जिलों में तैनात सभी अफसरों के तबादले का निर्देश

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राज्य सरकारों को अपने गृह राज्यों में तैनात अधिकारियों और काफी लंबी अवधि से एक विशेष स्थान पर नियुक्त अधिकारियों का तबादला करने का निर्देश दिया है।

निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि वर्तमान लोकसभा के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले साल जून में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। वर्ष 2014 में भी संसदीय चुनाव के साथ-साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए थे। निर्वाचन आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले राज्यों को ऐसे निर्देश जारी करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राजनीतिक झुकाव रखने वाले अधिकारी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करें और चुनाव को निष्पक्ष रखने की प्रक्रिया में बाधा न आए। आयोग द्वारा 21 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा गया है कि चुनाव से सीधे तौर पर जुड़ा कोई अधिकारी यदि अपने गृह जिले में तैनात है, तो उसे वहां बने रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, यदि किसी अधिकारी ने पिछले चार वर्ष के दौरान किसी जिले में तीन साल पूरे कर लिए हैं या वह अगले साल 30 जून को या उससे पहले तीन साल पूरे कर लेगा तो उसे भी स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसे किसी भी अधिकारी को चुनाव संबंधी ड्यूटी में नहीं लगाया जाएगा जिसके खिलाफ आधिकारिक कामकाज से संबंधित कोई आपराधिक मामला किसी अदालत में लंबित है।

राज्यपाल ने दिलाई शपथ, अब मंत्रियों की संख्या 12 हुई

छत्तीसगढ़ : साय मंत्रिमंडल का विस्तार, नौ मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को विष्णु देव साय मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया और राजभवन में नौ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही साय के मंत्रिमंडल सहयोगियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

छत्तीसगढ़ में साय मंत्रिमंडल के 12 सदस्यों में से पांच सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार चुनकर आए हैं। इनमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा तथा मंत्री ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा

और लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हैं। राजवाड़े कैबिनेट में सबसे कम उम्र की और एकमात्र महिला मंत्री हैं। छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 13 सदस्य हो सकते हैं। मंत्रिमंडल में एक और पद बाद में भरा जाएगा।

पूर्व मंत्री सुनील केदार को 5 साल का कारावास

नागपुर। नागपुर की एक अदालत ने कांग्रेस विधायक एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुनील केदार और पांच अन्य लोगों को नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एनडीसीसीबी) की निधि के दुरुपयोग के मामले में शुक्रवार को अदालत ने पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जे वी पेखले-पुरकर ने 2002 के मामले में यह फैसला सुनाया। मामले के सभी छह दोषियों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में तीन लोगों को अदालत ने बरी कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

कांग्रेस ने घोषणा पत्र समिति बनाई, पी चिदंबरम होंगे अध्यक्ष

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को घोषणा पत्र समिति का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम करेंगे। इसमें महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओं को जगह दी गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव को इस 16 सदस्यीय समिति का संयोजक बनाया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के अनुसार, कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति का गठन किया है। समिति में चिदंबरम और सिंहदेव के अलावा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा एवं जयराम रमेश, वरिष्ठ नेता शशि थरूर, आनंद शर्मा, गैखनगम, गौरव गोगोई, प्रवीण चक्रवर्ती, इमरान प्रतापगढ़ी, के. राजू, ओमकार सिंह मरकाम , रंजीत रंजन, जिग्नेश मेवानी और गुरदीप सप्पल को शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र: सीटों के बंटवारे पर सियासत तेज

शिवसेना (यूबीटी) 48 में से 23 लोकसभा सीटों पर लड़ेगी चुनाव : राउत

एजेंसी | मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में से 23 सीट पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) के साथ महा विकास अघाडी (एमवीए) में शामिल कांग्रेस ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन में अब तक बातचीत भी शुरू नहीं हुई है। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि इस सप्ताह के शुरू में राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की बैठक में विस्तृत चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी नेता उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के साथ मिलकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से बातचीत की थी। हम 23 सीट पर चुनाव लड़ेंगे क्योंकि हम हमेशा इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ते हैं। राउत ने इस सवाल पर टिप्पणी नहीं कि कांग्रेस और शरद पवार नीत राकांपा कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा, सीटों का बंटवारा लगभग हो चुका है। बातचीत दिल्ली में होगी क्योंकि महाराष्ट्र में कोई कांग्रेस नेता नहीं

ये दल शामिल हैं विकास अघाड़ी में

शिवसेना (यूबीटी), महा विकास आघाड़ी का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी घटक हैं। तीनों दल विपक्षी गठबंध इंडिया का भी हिस्सा हैं।

हैं जो फैसला ले सकें। और अगर नेता हैं तो उनके पास फैसला करने का अधिकार नहीं है। उन्हें दिल्ली से पूछना ही होगा।

अंतिम फैसला दिल्ली में होगा: वडेट्टीवार

दूसरी ओर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि एमवीए के तीनों घटकों के बीच सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला दिल्ली में होगा। राउत के बयान के बारे में पूछे जाने पर वडेट्टीवार ने कहा, शुरुआती बातचीत भी अभी शुरू नहीं हुई है। अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा।

राहुल-पवार की मुलाकात, सीटों के बंटवारे पर चर्चा

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर चर्चा की। जंतर-मंतर पर संयुक्त विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी, पवार के साथ उनके 6 जनपथ स्थित आवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच कुछ समय के लिए बातचीत हुई। सूत्रों ने बताया कि दोनों ने लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र विकास आघाड़ी के सहयोगियों शिव सेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा की।

मैं भाजपा- शिंदे नीत गठबंधन के साथ, विश्वासघात नहीं करूंगा: अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे में काफी अंतर है और जनता आगामी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर मोदी का समर्थन करेगी। यहां संवाददाताओं से बातचीत में पवार ने दावा किया कि वह भाजपा और एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के साथ गठबंधन से विश्वासघात नहीं करेंगे। अजित पवार ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं अपना राजनीतिक रुख नहीं बदलूंगा। मैं इस संबंध में हलफनामा देने को तैयार हूं। पवार अपने गुट के पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अगले साल मार्च में आदर्श आचार संहिता लागू होने की उम्मीद है और पार्टी कार्यकर्ताओं को तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

हिमाचल में हिमपात ...अटल टनल पहुंचे पर्यटक

मनाली। हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में इन दिनों हिमपात हो रहा है। राज्य के मनाली के निकट अटल टनल के उत्तरी द्वार के निकट हिमपात के बाद जमीं बर्फ और वहां पहुंचे पर्यटक।

जरूरी खबर

भारतीय फिल्म '2018' ऑस्कर की दौड़ से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्कर पुरस्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजी गयी मलयालम फिल्म '2018 : एवरीवन इज ए हीरो' अब इस प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड्स की दौड़ से बाहर हो गई है। 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने शुक्रवार को कहा कि जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन वाली यह फिल्म इस श्रेणी के लिए चुनी गईं 15 फिल्मों में अपनी जगह बनाने में नाकाम रही। इस श्रेणी में 88 देशों की फिल्में भेजी गईं थीं। चुनी गईं फिल्मों को मतदान के अगले चरण के लिए भेजा जाएगा।

राष्ट्रपति मैक्रों होंगे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हो सकते हैं। समारोह से जुड़े लोगों ने शुक्रवार को बताया कि मैक्रों छठे फ्रांसीसी नेता होंगे, जिन्हें गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य अतिथि बनने का अवसर मिलेगा। भारत ने इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने जनवरी, 2024 में नई दिल्ली की यात्रा करने में असमर्थता जताई।

न्यूजक्लिक मामला: जांच के लिए 60 दिन का समय मिला

नई दिल्ली। यहां की एक अदालत ने समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के खिलाफ आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज मामले में जांच पूरी करने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को और 60 दिन का समय दे दिया। 'न्यूजक्लिक' पर भारत में चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिए धन लेने का आरोप है। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने समाचार पोर्टल के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ एवं पोर्टल के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत भी 20 जनवरी तक बढ़ा दी। अदालत ने यह आदेश दिया, जिसमें जांच पूरी करने के लिए और समय दिए जाने का अनुरोध किया गया था।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़, एक जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम में विस्फोट होने से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर साढ़े तीन बजे जांगला थाना क्षेत्र में पोटेनार गांव के पास जंगल में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ के दौरान हुई। उन्होंने बताया किडीआरजी और बस्तर फाइटर्स के एक संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में भेजा गया था।

रेलवे ट्रैक उड़ाया, 13 ट्रेनें रद्द

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्यों ने रेल पटरियों के एक हिस्से को विस्फोट से उड़ा दिया, जिससे हावड़ा-मुंबई मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। घटना के कारण कम से कम 13 ट्रेनें रद्द कर दी गईं और एक का मार्ग बदल दिया गया है।

बृजभूषण के करीबी संजय सिंह के WFI अध्यक्ष बनने से नाराजगी

पहलवान बजरंग पूनिया लौटाएंगे पद्मश्री, PM मोदी को लिखा पत्र

एजेंसी | नई दिल्ली

उतोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में शुक्रवार को अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला किया।

डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण के करीबी संजय गुरुवार को यहां हुए चुनाव में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बने और उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत हासिल की।

इस नतीजे से तीन शीर्ष पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और पूनिया को काफी निराशा हुई जिन्होंने महासंघ में बदलाव लाने के लिए काफी जोर लगाया था।

चुनाव के फैसले के तुरंत बाद साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया। इन शीर्ष पहलवानों ने साल के शुरू में बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया था जिन पर उन्होंने महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया था और यह मामला अदालत में लंबित है।

> महिला पहलवानों को अपमानित किए जाने के बाद मैं सम्मानित बनकर अपनी जिंदगी नहीं जी पाऊंगा। ऐसी जिंदगी मुझे ताउम्र कचोटेगी । इसलिए ये सम्मान मैं आपको लौटा रहा हूं।
>
> **बजरंग पूनिया,** रेसलर

यह कहा बजरंग ने

पूनिया ने 'एक्स' पर बयान जारी कर कहा, मैं अपना पद्श्री सम्मान प्रधानमंत्री को वापस लौटा रहा हूं। कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। यही मेरा बयान है। पूनिया ने लिखा, इस साल जनवरी में महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। सरकार ने जब ठोस कार्रवाई की बात की तो आंदोलन रूक गया था। लेकिन तीन महीने तक बृजभूषण के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई।

प्रियंका गांधी ने साक्षी मलिक से मुलाकात की, जताया समर्थन

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को ओलंपिक विजेता पहलवानों से मुलाकात कर न्याय की लड़ाई में उनका साथ देने का भरोसा दिलाया। प्रियंका गांधी, साक्षी मलिक के घर पहुंचीं, जहां उन्होंने साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मुलाकात की। इससे पहले, साक्षी मलिक ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा से मुलाकात की।

पद्मश्री लौटाना बजरंग का निजी फैसला: खेल मंत्रालय

इस बीच, खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि बजरंग पूनिया का पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला व्यक्तिगत है लेकिन फिर भी उन्हें इस कदम पर दोबारा विचार करने के लिए समझाने का प्रयास किया जाएगा। मंत्रालय के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, डब्ल्यूएफआई के चुनाव निष्पक्ष और लोकतांत्रिक तरीके से हुए थे।

संसद सुरक्षा में चूक का मामला

मास्टरमाइंड ललित झा की हिरासत 5 जनवरी तक बढ़ाई

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने संसद सुरक्षा चूक मामले में एक आरोपी की हिरासत पांच जनवरी तक के लिए बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने दिल्ली पुलिस की अर्जी पर आरोपी ललित झा की हिरासत अवधि बढ़ा दी। पुलिस ने अदालत को बताया कि झा पूरी घटना का मुख्य साजिशकर्ता है और पूरी साजिश का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जरूरत है। दिल्ली की एक अदालत ने

संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे और नीलम देवी की पुलिस हिरासत की अवधि गुरुवार को पांच जनवरी तक बढ़ा दी थी।

आरोपी नीलम देवी को प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने के आदेश पर रोक

इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निचली अदालत के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसमें पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह संसद की सुरक्षा में चूक के मामले के एक आरोपी को प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराए। न्यायाधीश स्वर्ण कांत शर्मा ने निचली अदालत के 21 दिसंबर के आदेश को चुनौती देने वाली पुलिस की याचिका पर आरोपी नीलम देवी को नोटिस जारी किया। निचली अदालत ने जांच एजेंसी को कानून के अनुसार आरोपी के वकील को प्राथमिकी की एक प्रति प्रदान करने का निर्देश दिया था।

अयोध्या: विमान उड़ान का परीक्षण

अयोध्या। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रस्तावित उद्घाटन से पूर्व शुक्रवार को विमानों के उतरने व उड़ाने भरने का परीक्षण किया गया। परीक्ष उड़ान के दौरान वहां उतरा एक विमान।

कोविड जेएन.1 वैरियंट के 22 मामले आए

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में गुरुवार तक कोविड-19 उपस्वरूप जेएन.1 के 22 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें से 21 मामले गोवा जबकि एक केरल से सामने आया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गोवा में किसी जगह जेएन.1 स्वरूप तेजी से नहीं फैला है और इससे संक्रमित व्यक्ति

ठीक हो चुके हैं और उन्हें संक्रमण संबंधी कोई जटिलता नहीं है। जो लोग इसकी चपेट में आए, उनके ऊपरी श्वसन तंत्र में हल्का संक्रमण हुआ और हल्की सूखी खांसी, गला खराब होना जैसे लक्षण दिखे तथा बुखार नहीं आया। नवंबर में, जेएन.1 स्वरूप का पता लगाने के लिए पूरे जीनोम अनुक्रमण के लिए 62 नमूने इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम की विभिन्न प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे।

दिल्ली-NCR में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र ने दिल्ली एनसीआर में खराब होती वायु गुणवत्ता के बीच शुक्रवार को गैर जरूरी निर्माण कार्यों और बीएस-तीन पेट्रोल एवं बीएस-चार डीजल चालित चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। सीएक्यूएम ने एक आदेश जारी कर कहा कि हवा की कम गति के साथ कोहरे और धुंध सहित मौसम संबंधी प्रतिकूल स्थितियां दिल्ली के एक्यूआई में अचानक वृद्धि का प्रमुख कारण हैं।

पुंछ में आतंकी हमला

पाकिस्तान की पुंछ-राजौरी में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश

एजेंसी | जम्मू/ नई दिल्ली

पाकिस्तान पुंछ-राजौरी में एक बार फिर आतंक को जिंदा करने की कोशिश में जुटा है। यह बात रक्षा विशेषज्ञों ने कही है। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि घाटी में आतंक को दोबारा खड़ा करने के पीछे चीन और पाकिस्तान का गेम प्लान है।

दोनों देशों की कोशिश है कि इन हमलों से भारतीय सेना का ध्यान जम्मू कश्मीर की ओर खींचा जाए, और वह लद्दाख और अन्य जगहों पर अपनी तैनाती कम करे, जहां चीन और भारत के बीच पिछले तीन साल से गतिरोध चल रहा है। भारत ने 2020 में एलएसी पर चीनी सेना की बढ़ती तैनाती के बीच राष्ट्रीय राइफल्स की यूनिफॉर्म फोर्स को पुंछ सेक्टर से लद्दाख में भेजा था। सूत्रों के मुताबिक पुंछ-राजौरी क्षेत्र में करीब 25-30 पाकिस्तानी आतंकवादी सक्रिय हैं। ये वहां के जंगलों में छिपे रहते हैं और मौका मिलने पर सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जम्मू कश्मीर के पीर पंजाल के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय आतंकवादी ,आतंकी संगठन पीएएफएफ या टीआरएफ से जुड़े हैं। ये संगठन 'गुरिल्ला वॉर' तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। ये सुरक्षाबलों पर छोटी छोटी समूहों में घात

लगाकर हमला करते हैं और वारदात के बाद वापस जंगल में छिप जाते हैं। अंदेशा है कि इन आतंकियों में कुछ ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी ट्रेनिंग ली है।

क्या कहते हैं रक्षा विशेषज्ञ

सेना की नगरोटा स्थित सोलहवीं कोर का नेतृत्व कर चुके लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) परमजीत सिंह ने कहा है कि अब समय आ गया है कि शीर्ष अधिकारी जंगलों में लड़े जाने वाले युद्ध के बुनियादी प्रशिक्षण पर फिर से विचार करें। हमें तकनीकी इनपुट पर अधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए, क्योंकि वे कई बार गुमराह करने वाले होते हैं।

- रक्षा विशेषज्ञ कर्नल (सेवानिवृत्त) एसएस पठानिया ने कहा, पिछले दो महीनों में यह दूसरी घटना है। । पिछले दो वर्षों में यहां 24 सैनिक शहीद हुए हैं। एलओसी प्रबंधन और खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।
- सुरक्षा विशेषज्ञ कैप्टन (सेवानिवृत्त) अनिल गौड़ ने कहा, पाकिस्तान इन घटनाओं को अंजाम देकर इस क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। आतंकवाद से निपटने में कुछ खामियां हैं। यह चिंता का विषय है।

हमले में शहीद सैनिकों की संख्या 5 हुई

आतंकियों के खिलाफ तलाशी अभियान, NIA मौके पर पहुंची

एजेंसी | पुंछ/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार को हथियारों से लैस आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिकों के शहीद होने तथा दो अन्य के घायल होने के बाद सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को इलाके के वन क्षेत्र में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया तथा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की एक टीम ने वहां का दौरा किया। '16वीं कोर' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने इलाके का दौरा किया तथा सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। इलाके की हवाई निगरानी भी की जा रही है तथा आतंकवादियों का पता लगाने के लिए श्वान दस्ते को भी लगाया गया है।

JJS: नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया उद्घाटन

गुलाबी नगरी में सजा रत्न और आभूषणों का नायाब संसार

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी में रत्नों, आभूषणों और दुनिया भर की जूलरी का संसार सजाया गया तो हर आंख थम सी गई। देश-दुनिया से जूलरी एक्सपर्ट आए और उन्होंने जयपुर की जूलरी की तारीफ की और शो विजिट किया। यह संसार है जयपुर जूलरी शो (जेजेएस), जो जयपुर में सजाया गया है।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शो का उदघाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रत्न व आभूषण उद्योग से 2 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। आभूषण उद्योग पर्यटन को बढ़ावा देता है और रिपीट टूरिज्म में भूमिका निभाता है। एमरल्ड... योर स्टोन योर स्टोरी थीम पर जयपुर के सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 25 दिसंबर तक शो आयोजित किया जाएगा। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) चेयरमैन विपुल शाह विशिष्ठ अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक विषयों और आर्थिक मंदी के कारण 2023 रत्न और आभूषण उद्योग के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा है। हालांकि उद्योग में सुधार हुआ है और वृद्धि देखी जा रही है।

उन्होंने कहा कि जीजेईसीपीसी और जूलर्स संयुक्त रूप से भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक केंद्र बनाने के लिए विभिन्न पहल कर रहे हैं। जेजेएस के मानद सचिव राजीव जैन ने जेजेएस की विशेषताओं और परंपराओं के बारे में जानकारी दी।

500 रुपए से करोड़ों की जूलरी शामिल

प्रवक्ता अजय काला ने बताया कि जेजेएस सभी कीमती धातुओं और रंगीन स्टोन्स के साथ आया है। यहां 500 से लेकर 1 करोड़ रुपए तक की जूलरी मौजूद है। शो में लगभग 300 रंगीन जेम स्टोन्स प्रदर्शित किए गए हैं।

50,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद

वर्ष 2003 में जहां मात्र 67 बूथ थे, वहीं इस वर्ष 1100 से अधिक बूथ हैं। इस वर्ष 1100 बूथ में 659 बूथ्स पर जूलरी और 318 बूथ्स पर जेम स्टोन्स के हैं, जबकि 58 पर अलाइड मशीनरी और 14 बूथ्स पर कॉस्ट्यूम व सिल्वर आर्टिकल्स और आर्टिफेक्ट्स प्रदर्शित किए जा रहे हैं। 50,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

फोटो: पंकज शर्मा

5 देशों का डेलीगेशन बना शो का हिस्सा

इस वर्ष 6 अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक हैं और 5 देशों के डेलीगेशन शो का हिस्सा हैं। शो में लगभग 64% बूथ डिजाइनर बूथ हैं, जो कई दिनों की मेहनत के बाद तैयार की गई हैं। इस मौके पर नेशनल जेम्स एंड जूलरी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन प्रमोद डेरेवाला ने कहा, कि जयपुर का रत्न व आभूषण उद्योग विदेशी मुद्रा आय, कर राजस्व और रोजगार सृजन के माध्यम से राज्य के साथ देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है। स्वागत भाषण में जेजेएस चेयरमैन विमल चंद सुराणा ने कहा, कि जयपुर राज परिवार शहर का रत्न और आभूषण उद्योग का हमेशा समर्थन मिला है।

69 कार्मिकों का सम्मान

बेधड़क. जयपुर। सम्मान मिला तो चेहरे खिल उठे और फिर साथियों ने भी बधाई दी। मौका था उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा 68वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह-2023 का, जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ विभिन्न मंडलों-यूनिटों को अलग-अलग कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 32 शील्ड दी। उत्तर-पश्चिम रेलवे पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले 69 अधिकारियों व कर्मचारियों को व्यक्तिगत व 15 ग्रुप पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में 69 रेलकर्मियों को महाप्रबंधक स्तर पर पुरस्कृत किया गया, जिनमें 57 राजपत्रित व 12 अराजपत्रित शामिल थे। इसके अलावा 15 सामूहिक पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुरस्कृत 7 कर्मियों को सम्मानित किया गया। अजमेर मंडल को 9, जोधपुर को 6, बीकानेर को 5 व जयपुर मंडल को 5 शील्ड मिली। साथ ही केन्द्रीय चिकित्सालय जयपुर और निर्माण संगठन-जोधपुर को शील्ड दी गई। इस अवसर पर गौतम अरोरा, अपर महाप्रबंधक, डॉ. अंजु, अध्यक्षा, उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन सहित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

'अतृप्त आत्माएं' का मंचन

बेधड़क. जयपुर। 'ऊपर वाले की लाठी में आवाज नहीं होती। वह किसी न किसी रूप में सजा दे रहा है। उसकी सोच है कि किसी का हक छीन कर मजबूरी से खेलकर बनाया गया पैसा, कभी किसी को खुशियां नहीं दे सकता। उनकी बद दुआओं का असर आज नहीं तो कल हमें किसी ने किसी रूप में प्रभावित करता है।' यह संदेश दिया गया नाटक 'अतृप्त आत्माएं' में। रवींद्र मंच के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती समारोह पर कला साहित्य संस्कृति व पुरातत्व विभाग व रवींद्र मंच की टैगोर योजना में मंचित इस नाटक का निर्देशन युवा रंगकर्मी केके कोहली ने किया। नाटक में सवाल उठाया गया कि एक आम आदमी अपनी पहली पीढ़ी के भविष्य को भी सुरक्षित नहीं कर पाता उससे पहले ही वह परलोक सिधार जाता है, जबकि राजनेता और अफसरशाही परिवार का भविष्य बनाने के साथ पीढ़ियां तक सुरक्षित रखने में कामयाब हो जाते हैं। बड़ी-बड़ी योजनाओं क्यों और किसके लिए बनती है? इनसे किनका उद्धार हो रहा है? और कौन लाभान्वित हो रहा है? नाटक में महेश महावर, ऋतु सैनी, नरेंद्र सिंह बबल, विनोद कुमार, लोचन हाडा, वीर सरधाना ने दमदार अभिनय किया।

City इवेंट्स

रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। चंचल फाउंडेशन और यूथ आइकन ऑफ इंडिया की ओर से रविवार को प्रताप नगर सेक्टर 5 में लगने वाले रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विमोचन कर टीम का हौसला बढ़ाया। फाउंडेशन सचिव दीपक चड्ढा ने बताया कि प्रोटेम स्पीकर व मालवीय नगर विधायक काली चरण सर्राफ, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, हवामहल विधायक लमुकुंद आचार्य, महापौर जयपुर नगर निगम ग्रेटर डॉ. सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावत, आईओसीएल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. आशुतोष पंत, भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौर, अशोक सैनी भादरा व संत अवधेश द्वारा भी शिविर का पोस्टर विमोचन किया।

शांति-समृद्धि के लिए शांतिधारा

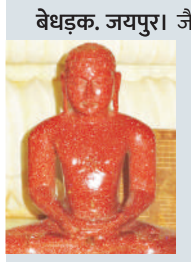

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्म के 19वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ का जन्म व तप कल्याणक व 21वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का ज्ञान कल्याणक मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन हुए। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि सुबह भगवान मल्लिनाथ व नेमिनाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। सांगानेर के श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, चूलगिरी, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित श्रीदिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज सहित कई मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन हुए।

डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग आज से

बेधड़क. जयपुर। मेडिकोज सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में जय क्लब में 23 और 24 दिसंबर को डीपीटील विंटर संस्करण होगा। आयोजक डॉ. जयंत सेन ने बताया कि प्रतियोगिता में दबंग युगल और मलंग युगल फॉर्मेट रखा गया है। लीग सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सिंगलस टी 20 टाइब्रेकर चैंपियनशिप और प्रथम बार टेनिस ट्राइओ चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि शुभारंभ एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव बगरहटा करेंगे। लीग कोऑर्डिनेस्टर डॉ. सचिन खटटर ने बताया कि जयपुर के अलावा कई चिकित्सक बीकानेर, चुरू, सीकर, भीलवाड़ा, जालोर, अजमेर संभाग के भाग लेंगे। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. रजत मालोट ने बताया विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

कारसेवक संगम समारोह 17 जनवरी को

कारसेवकों का होगा सम्मान बस्तियों में बांटी जाएगी प्रसादी

बेधड़क | जयपुर

अयोध्या में राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर रामराज्य चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 17 जनवरी को राजस्थान में संभाग स्तर पर रामराज्य कारसेवक संगम समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रदेश के कारसेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

रामराज्य चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं रामराज्य महोत्सव के मुख्य संयोजक जगदीश ए पंचारिया ने बताया कि कारसेवकों के विशेष योगदान से बाइस जनवरी को हमारे रामलला अपने महल में विराजेंगे। इस कार्य के लिए कारसेवकों को सम्मानित किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत जयपुर से होगी और संभागीय स्तर पर ये कार्यक्रम आयोजित करके कारसेवकों का सम्मान किया जायेगा। इसी क्रम में बाइस जनवरी को शहर की कच्ची बस्तियों, सेवा बस्तियों एवं झुग्गी झोंपड़ियों में लगभग सवा लाख घरों में श्रीराम प्रसादी, श्रीराम का चित्र और ध्वजा का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए रामराज्य चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक जगदीश ए पंचारिया, महोत्सव के संयोजक प्रीतेश माथुर, मुख्य मार्गदर्शक नरेंद्र गौड़, मुख्य संरक्षक आशुतोष पंत, संरक्षक डॉ. पुष्कर तिवाड़ी, डॉ. ललित शर्मा चोमू, वरिष्ठ समाज सेवी विकास सिरोही, महासचिव नवीन श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार टिक्कीवाल, समन्वयक तनया गडकरी, आशा मिश्रा, विजया पारीक, सुशीला परिहार, राजेश शर्मा, आदेश चतुर्वेदी आदि ने जिम्मेदारी ली।

जेकेके में तीन दिवसीय उत्सव का सुरीला आगाज

सरोद-सितार जुगलबंदी और शास्त्रीय गायन से बांधा समां

बेधड़क | जयपुर

जवाहर कला केन्द्र की ओर से कला संसार मधुरम में साहित्य, संगीत और रंगमंच के 3 दिवसीय उत्सव का आगाज सुंदर प्रस्तुतियों के साथ हुआ। पहले दिन प्रसेनजीत सेनगुप्ता और डॉ. विनायक शर्मा ने सरोद और सितार की जुगलबंदी पेश की तो कला प्रेमी रोमांचित नजर आए।

वहीं पं. आनंद वैद्य ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। अब शनिवार को रंगायन सभागार में शाम 6:30 बजे जूही बब्बर सोनी निर्देशित नाटक 'विद लव, आपकी सैयारा' का मंचन होगा। नाटक के बाद रंगमंच पर चर्चा होगी, जिसमें वरिष्ठ रंगकर्मी अभिषेक गोस्वामी मॉडरेटर रहेंगे।

वहीं जूही बब्बर और साहित्य अध्येता राज नारायण शर्मा विचार साझा करेंगे। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरुआत सरोद और सितार की जुगलबंदी से हुई। प्रसेनजीत सेनगुप्ता ने सरोद और डॉ. विनायक शर्मा ने सितार पर सबसे पहले श्रृंगार रस प्रधान राग बिहाग पेश की। इसके बाद राग मिश्र खमाज समेत अन्य रागों की धुनों से रंगायन को गुंजायमान किया, तबले पर गौतम पॉल ने संगत की।

इसके बाद पं. आनंद वैद्य ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने राग जोग में विलंबित एक ताल में बंदिश 'पिहरवा को बिरमाए', मध्य लय तीन ताल में 'साजन मोरे घर आए' गाकर समां बांधा। प्रस्तुति के दौरान पं. गिर्राज बालोदिया ने हारमोनियम और पीयूष राव ने तबले पर संगत की।

स्थानीय प्रतिभाएं | जयपुर के दो भाई शूटिंग में लिख रहे इबारत

दादा ने जीवन दांव पर लगाकर बनाया इंटरनेशनल प्लेयर

बेधड़क | जयपुर

जयपुर का टैलेंट एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय पटल पर है, क्योंकि शहर के युगराज यादव (17 वर्ष) और इंद्रराज यादव (14 वर्ष) ने हाल ही में हुई 66वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप (दिल्ली करनी सिंह शूटिंग रेंज) में नेशनल क्वालीफाई कर अंतरराष्ट्रीय शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया है। दोनों भाइयों ने बहुत जल्द खेलों की दुनिया में कदम रख दिया था, जिसमें उनका मार्ग दर्शन दादा बाबू लाल यादव ने किया। उन्होंने अपना जीवन अब इन दोनों को भारत के लिए दुनिया को साबित करने में लगा दिया है।

21 महीने पहले शुरू की थी ट्रेनिंग

युगराज यादव ने शूटिंग कॅरियर लगभग 21 महीने पहले शुरू किया था। जिस उम्र में बच्चे गलियों में खेलते हैं उस उम्र में युगराज शूटिंग राइफल उठाकर अपना ओलंपिक का सफर चुन लिया था। युगराज ने भोपाल में दिसंबर में हुई 65वीं नेशनल राइफल शूटिंग चैम्पियनशिप में अच्छे स्कोर के साथ नेशनल क्वालीफाई किया। इसके बाद युगराज भारत का नेशनल प्लेयर बन गया। साथ ही महू-मध्य प्रदेश जनवरी-2023 आर्मी मार्क्समैन शूटिंग रेंज में हुई चैंपियनशिप खेली, जिसमें देश भर के राज्यों से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। वहां टूप 10 खिलाड़ियों में अपना नाम दर्ज कराया।

सफलता का सेहरा कोच और दादा के सिर

शूटिंग कोच अमरीश सिंह ने बताया कि दोनों की कामयाबी का श्रेय इनके दादा मान बाबू लाल यादव को जाता है, जिन्होंने कठिन से कठिन प्रस्तिथियों में बच्चों को 3 लाख रुपए की गन दिलाकर भारत में होने वाले सभी खेलों में भाग लेने पहुंचाया। पढ़ाई के साथ-साथ शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स इन में हर दिन 3-4 घंटे का अभ्यास करते हैं। दानों देश के लिए ओलंपिक में मैडल लाने के लिए संकल्पित हैं।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शनिवार, 23 दिसंबर, 2023

एक दिन वर्षों का संघर्ष, बहुत खूबसूरत तरीके से तुमसे टकराएगा।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

लड़ाई में गाजा के 80 फीसदी से अधिक लोग हो गए विस्थापित

इजराइल-हमास युद्ध में 20,000 की मौत

एजेंसी | रफाह (गाजा पट्टी)

इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 20,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। हमास शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि महज 10 हफ्तों से अधिक समय पहले शुरू हुई लड़ाई में गाजा के 80 फीसदी से अधिक लोग विस्थापित हो गए और एक बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है। मृतकों की यह संख्या क्षेत्र की युद्ध से पहले की आबादी का एक प्रतिशत है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने लड़ाई में 20,057 लोगों की मौत दर्ज की है।

इसमें लड़ाकों और नागरिकों की मौत के आंकड़े अलग-अलग नहीं हैं। उसने पहले बताया था कि तकरीबन दो तिहाई मृतकों में महिलाएं या नाबालिग शामिल हैं।

कनाडा ने गाजा के नागरिकों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की

ओटावा (ओंटारियो)। कनाडा ने गाजा पट्टी के उन लोगों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की है जिनके रिश्तेदार कनाडा में रहते हैं। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि यह अभियान नौ जनवरी तक शुरू हो सकता है। आव्रजन मंत्री मिलर ने कहा कि सरकार का ध्यान 660 कनाडाई नागरिकों, स्थाई निवासियों और उनके जीवन साथियों तथा बच्चों को गाजा से बाहर निकालने पर है। मिलर ने कहा कि सरकार माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन और पोते-पोतियों सहित कनाडा से जुड़े विस्तारित पारिवारिक संबंध वाले लोगों के लिए आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी।

चुनाव से पहले पाक के पूर्व पीएम और कुरैशी को राहत

सिफर केस में इमरान को जमानत, समर्थकों में जश्न

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को जमानत दे दी। कोर्ट ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दोनों नेताओं को 10-10 लाख रुपए के बांड जमा करने का निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस सरदार तारिक मसूद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने जारी किया गया था, जिसमें न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह और सैयद मंसूर अली शाह शामिल थे। हालांकि इमरान खान जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार दिया गया है।

अभी भी 70 से अधिक केस

अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि इमरान खान फरवरी में होने वाले आम चुनाव में हिस्सा लेंगे कि नहीं। इमरान खान के खिलाफ 70 से अधिक केस दर्ज हैं। इन सभी मामलों में उनके खिलाफ कोर्ट की कार्रवाई अलग-अलग स्टेज में है। ऐसे में इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। इमरान खान को विदेशी चंदा लेने के मामले में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने अयोग्य घोषित किया था। ऐसे में उनके आगामी आम चुनाव लड़ने या अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

क्या था मामला

सिफर मामला एक राजनयिक दस्तावेज से संबंधित है। आरोप है कि पिछले साल मार्च में पाकिस्तान दूतावास द्वारा भेजे गए राजनयिक दस्तावेज को इमरान खान और कुरैशी ने उचित ढंग से नहीं संभाला। उन्होंने देश की गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन किया। यह भी आरोप है कि इमरान खान ने इस गुप्त दस्तावेज को जानबूझकर सार्वजनिक किया था। पीटीआई लंबे समय से मानती रही है कि इस दस्तावेज में इमरान को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी।

अदियाला जेल में चल रही थी गुप्त सुनवाई

इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को 13 दिसंबर को मामले में दूसरी बार दोषी ठहराए जाने के बाद विशेष अदालत ने पिछले हफ्ते अदियाला जिला जेल में नए सिरे से सुनवाई शुरू की थी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके सहयोगी शाह महमूद कुरैशी को पहली बार 23 अक्टूबर को इस मामले में दोषी ठहराया गया था। मुकदमा अदियाला जेल में चल रहा था और चार गवाहों ने पहले ही अपने बयान दर्ज करा दिए थे। लेकिन, हाईकोर्ट ने जेल मुकदमे के लिए सरकार की अधिसूचना को गलत करार दिया और पूरी कार्यवाही को रद्द कर दिया।

विद्रोहियों के हमले में गई 21 की जान

बंगुई। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में विद्रोहियों द्वारा एक सुरक्षा चौकी और एक गांव को निशाना बनाकर किए गए हमले में बच्चों और एक सैनिक समेत 21 लोगों की मौत हो गई। सांसद अर्नेस्ट बोनांग ने कहा कि विद्रोहियों ने पहले सेना की चौकियों पर हमला दिया। उसके बाद आम लोगों को निशाना बनाया। इसमें 21 लोगों की मौत हो गई।

तीन विदेशी नागरिकों समेत 25 घायल

विवि में छात्र की गोलीबारी में 14 की मौत

एजेंसी | प्राग

चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में स्थित विश्वविद्यालय में एक हथियारबंद छात्र द्वारा की गई गोलीबारी में 14 व्यक्तियों की मौत हो गई और तीन विदेशी नागरिकों समेत 25 लोग घायल हो गए। अंधाधुंध गोलियां बरसाकर सामूहिक नरसंहार की यह घटना हाल के वर्षों में चेक गणराज्य में हुए सबसे भयानक हमलों में से एक है। मंत्री विट राकुसन ने कहा कि प्राग में पुलिस ने रातभर काम किया और मारे गए लोगों में से 13 की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि घायलों में सऊदी अरब के दो और नीदरलैंड के एक व्यक्ति समेत तीन विदेशी नागरिक शामिल हैं। प्राग पुलिस प्रमुख मार्टिन वोंद्रासेक ने कहा कि यह गोलीबारी चार्ल्स विश्वविद्यालय के कला संकाय में 24 वर्षीय छात्र ने की थी। वोंद्रासेक ने कहा कि गोलीबारी चार्ल्स विश्वविद्यालय के कला संकाय में हुई। बंदूकधारी छात्र की भी मौत हो गई है।

नासा के पूर्व रिसर्चर का दावा

समुद्र के नीचे रहते हैं एलियंस!

एजेंसी | वाशिंगटन

एलियंस होते हैं या नहीं, इसे लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। कई लोगों का मानना है कि जिस तरह से पृथ्वी इंसान का घर है, उसी तरह स्पेस में कोई ऐसा प्लेनेट होगा, जिस पर एलियंस रहते होंगे।

इस सवाल का जवाब दुनियाभर के वैज्ञानिक खोज रहे हैं। एक विशेषज्ञ ने बताया कि एलियंस डिटेक्ट किए जाने से बचने के लिए हमारे सोलर सिस्टम के ठीक बाहर अंधेरे स्थानों में छिपे हो सकते हैं, वहीं अब नासा के एक पूर्व रिसर्चर ने अनोखा दावा किया है। नासा के रिसर्च सेंटर में काम करने वाले एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् केविन नुथ का मानना है कि ऐसे कई कारण हैं कि एलियंस पृथ्वी की सतह के बजाय पानी के नीचे रहकर हम पर नजर रख रहे हों। उन्होंने कहा कि अगर वे छुपे रहना चाहते हैं तो समुद्र का तल उनके लिए बेस्ट जगह होगी। वे वहां बेस बनाकर रहते होंगे। उन्होंने थ्योरीज ऑफ एवरीथिंग पॉडकास्ट को बताया कि पृथ्वी की सतह का 75% हिस्सा पानी है और वास्तव में हमारी उस पूरे पानी तक बहुत कम पहुंच है. इसलिए ये एलियंस के छुपने के लिए सबसे सही जगह है। 2001 से 2005 तक नासा के रिसर्च सेंटर में काम करने वाले शिक्षाविद् केविन नुथ का मानना है कि एटमोस्फेयर में हीट कैपेसिटी कम होती है, इसलिए तापमान में बहुत वेरिएशन होता है। तापमान में भारी अंतर मिलता है। एक ग्रह से दूसरे ग्रह पर जाने पर वातावरण में तापमान में भारी भिन्नता होती है।

पानी में कोई समस्या नहीं

शिक्षाविद् केविन नुथ ने कहा कि सतह पर रहने में सभी प्रकार की समस्याएं हैं. लेकिन अगर आप समुद्र में रहते हैं, तो समुद्र वाले किसी दूसरे ग्रह पर जाना वास्तव में एक बहुत आसान होगा। ओशियन का तापमान 32 डिग्री फारेनहाइट और 212 डिग्री फारेनहाइट के बीच होगा। इसलिए, समुद्र से ओशियन तक, एक ग्रह से दूसरे ग्रह तक जाने पर तापमान में नाटकीय रूप से बदलाव नहीं होने वाला है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने की गोलीबारी

आतंकी हमले में छह मजदूरों की मौत

एजेंसी | पेशावर

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने शुक्रवार को एक पुलिस थाने के निर्माण स्थल पर काम कर रहे छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि घटना दक्षिण वजीरिस्तान के कबायली जिले के वाना में हुई। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने उस वक्त मजदूरों को बेहद करीब से गोली मारी, जब वे अपने तंबू में थे। पुलिस ने कहा कि एक पुलिस थाने के निर्माण स्थल पर काम कर रहे कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई। दक्षिण वजीरिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी फरमानुल्लाह ने घटना की पुष्टि की और कहा कि पुलिस हर पहलू से मामले जांच कर रही है। फिलहाल, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरशद हुसैन ने छह मजदूरों की हत्या की निंदा की है। इसी जिले में अगस्त महीने में हुए एक आतंकी हमले में 11 मजदूरों की मौत हो गई थी। पीआईसीएसएस थिंक टैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत नवंबर में आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित था, जिसमें 54 मौतों और 81 चोटों के साथ 51 हमले दर्ज किए गए।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl